

নিচের শব্দগুলোর শুন্ধ উচ্চারণ লেখ।

শব্দ	শুন্ধ উচ্চারণ
অতীত [ঢ. বো. '১৯; চ. বো. '১৭] ***	ওতিত্
আবশ্যক [সি. বো. '২৩; '১৭] ***	আবোশ্শোক
অতি [ঢ. বো. '১৭] ***	ওতি
অতঃপর [সি. বো. '১৭] ***	অতোপ্পর
অদ্য [চ. বো. '১৯; ব. বো. '১৭] ***	ওদ্দো
অধ্যক্ষ [রা. বো. '১৬; কু. বো. '১৭; য. বো. '১৯, '১৬; চ. বো. '১৯, '১৬; ব. বো. '১৬] ***	ওদ্ধোক্খো
অধ্যাপক [দি. বো. '১৬] ***	ওদ্ধাপোক
অক্ষ [রা. বো. '১৭] *	ওক্খো
অত্যাচার [কু. বো. '১৬] **	ওত্তাচার্
অত্যাবশ্য [সকল বোর্ড '১৮] ***	ওত্তাবোশশোক
অশিক্ষিত [কু. বো. '১৭] ***	অশিক্খিতো
অনিঃশেষ [কু. বো. '১৯; রা. বো. '১৬] ***	অনিশ্শেষ
অসীম [ঢ. বো. ১৬; রা. বো. '১৭; দি. বো. '১৭] ***	অশিম্
অদ্বিতীয় [সি. বো. '১৯] ***	অদ্বিতিয়ো
আবৃত্তি [ঢ. বো. '১৯, '১৬; রা. বো. '১৯; দি. বো. '১৯; চ. বো. '১৬] ***	আবৃত্তি
অকৃতজ্ঞ [সি. বো. '১৭] **	অকৃতগ্গো
আহ্বান [কু. বো. '১৭; কু. বো. '১৬; ব. বো. '১৯, '১৬]	আওভান্
ইতঃপূর্বে [চ. বো. '১৯; ব. বো. '১৭] ***	ইতোপুর্বে
উদাহরণ [রা. বো. '২৩; সি. বো. '১৯; দি. বো. ১৬] **	উদাহরোন্

আশ্রম [ঢা. বো. '১৯; দি. বো. '১৯] ***	আস্মোম্
উপস্থিতি [ঢা. বো. '১৭] ***	উপোস্থিতি
উহ [কু. বো. '১৯] ***	উজ্বো
উদ্বাস্তি [কু. বো. '১৯] *	উদ্বাস্ তু
উদ্যোগ [ঢা..বো. '১৯] **	উদ্ দেগ্
ঝগবেদ [চ. বো. '১৬] ***	রিগ্ বেদ
একটি [চ. বো. '১৭] ***	এক্টি
একতা [দি বো, '১৭] ***	অ্যাকোতা
একাডেমি [সি. বো. '১৯; চ. বো. '১৬; দি. বো. ১৬]	অ্যাকাডেমি
ঐক্য [য. বো. '১৭] ***	ওইক্রকো
ঐকতান [সি. বো. '১৭] *	ওইকোতান্
ঐশ্বর্য [য. বো. '১৯, '১৬; কু. বো. ১৯; চ. বো. '১৯] **	ওইশ্শোরজো
ঐকমত্য [দি বো, '১৯] ***	ওইকোমত্তো
ঐতিহ্য [ব. বো. '১৯] **	ওইতিজ্বো
ওজস্বী [কু. বো. '১৭] **	ওজশ্শী
ওষধ [রা. বো. ১৬] **	ওউশ্ব
কর্ম [চ. বো. ১৭] ***	কর্মো
কক্ষ [ব. বো. '১৭] ***	কাক্খো
কবিতা [য. বো. '১৭] **	কোবিতা
খাদ্য [সি. বো. '১৬; দি. বো. ১৬] ***	খাদ্দো
গঞ্জনা [কু. বো. '১৭] ***	গন্জনা
গ্রীষ্মকাল [দি. বো. '১৭; ব. বো. ১৬] ***	গ্রিশ্শোঁকাল্
গ্রীষ্ম [দি. বো. '১৯] ***	গ্রিশ্শোঁ
চলন্ত [সি. বো. ১৬] ***	চলোন্তো

চিহ্ন [চ. বো. '১৯, '১৬] ***	চিন্হে
চর্যাপদ [ঢা. বো. '২৩; সি. বো. '১৯; কু. বো. ১৬] ***	চোর়জাপদ
চিহ্নিত [সি. বো. '১৭] ***	চিন্হিতে
ছাত্র [রা. বো. '২৩; '১৭; চ. বো. '১৯; দি. বো. ১৬] **	ছাত্রো
জনশ্রুতি [দি. বো. '১৯] **	জনোস্থৃতি
জিহ্বা [সি. বো. '১৭] *	জিউভা
জয়ধৰনি [কু. বো. ১৯] ***	জয়োদ্ধোনি
জ্ঞাত [দি. বো. '১৭; ব. বো. ১৬] ***	গ্যাঁতো
তত্ত্বাবধান [দি. বো. ১৯] ***	তত্ত্বাবধান
দক্ষ [ঘ. বো. '১৭, '১৬] ***	দোক্খো
দরখাস্ত [ঢা. বো. '১৭] ***	দরখাস্তো
দায়িত্ব [সকল বোর্ড '১৮; দি. বো. '১৭] ***	দায়িত্বতো
দীনবন্ধু [ঢা. বো. '১৯; চ. বো. ১৬] ***	দিনোবোনধু
দুরন্ত [ঘ. বো. '১৯] **	দুরন্তো
ধন্যবাদ [চ. বো. '১৭; দি. বো. ১৬] ***	ধোন্নোবাদ
ধার্য [ঘ. বো. ১৯; সি. বো. ১৬] ***	ধার্জো
নক্ষত্র [সি. বো. '২৩; সকল বোর্ড '১৮] ***	নোক্খোত্ত্বো
নদী [রা. বো. '২৩; ঢা. বো. '১৬] *	নোদি
নদীমাত্তক [ঘ. বো. '১৯] ***	নোদি মাত্তক
নিষিদ্ধ [রা. বো. '১৬] ***	নিশিদ্ধো
নিঃশর্ত [চ. বো. '১৭] **	নিশ্শরতো
নাগরিক [দি. বো. '১৬] ***	নাগোরিক
পদ্ম [ব. বো. ১৯, '১৭; ঢা. বো. '১৬] ***	পদ্দো

পরীক্ষিত [চ. বো. ১৬] **	পোরিকথিতো
পরীক্ষা [দি. বো. ১৭] **	পোরিকথা
প্রজ্ঞা [সকল বোর্ড '১৮; রাব. বো. ১৬] ***	প্রোগ্রাম
পুনঃপুন [রাব. বো. '১৯; ব. বো. ১৬] ***	পুনোপ্পুনো
প্রায়শিত্ব [কু. বো. '১৯; ঢা. বো. ১৭] ***	প্রায়শ্চিত্ততো
প্রত্যক্ষ [দি. বো. '১৯] ***	প্রোত্তোক্ত্বো
প্রথম [দি. বো. ১৬] *	প্রথোম্
পদ্য [রাব. বো. '১৭, ১৬, য. বো. ১৯, '১৬; কু. বো. '১৬] ***	পোদ্দো
প্রণীত [সি. বো. '১৯; দি. বো. ১৭] ***	প্রোনিতো
প্রেতাত্মা [সকল বোর্ড '১৮] ***	প্রেতাত্তা
বিদ্঵ান [রাব. বো. '১৭]	বিদ্ দান্
বিজ্ঞপ্তি [রাব. বো. '১৯; কু. বো. ১৬] ***	বিগ্নোপ্তি
বিজ্ঞ [ব. বো. '১৭] ***	বিগ্নো
বৈশাখ [চ. বো. '১৯; রাব. বো. '১৭]	বোহশাখ
ব্যবহার [ঢা. বো. '১৭] ***	ব্যাবোহার
ব্যতীত [সি. বো. '২৩; য. বো. ১৭] ***	বেতিতো
ব্যাখ্যা [চ. বো. '১৯; দি. বো. '১৭; ঢা. বো. ১৬] ***	ব্যাক্ত্বা
ব্রহ্মাণ্ড [কু. বো. '১৬] *	ব্রাম্হান্ডো
ব্রাহ্মণ [রাব. বো. '১৯ য. বো. ১৯; সি. বো. ১৯; ঢা. বো. '১৬] ***	ব্রাম্হোন্
ব্যাকরণ [ব. বো. '১৯] **	ব্যাকোরন্
ব্রহ্মপুত্র [কু. বো. '১৯] ***	ব্রাম্হোপুত্ত্বো
বৈসাদৃশ্য [রাব. বো. '১৯] ***	বোহসাদৃশ্শো

বিশ্বাস [ব. বো. '১৯] ***	বিশ্বাশ
ভবিষ্যৎ [রা. বো. '১৯, '১৬] ***	ভোবিষ্যত্
মনমালিন্য [য. বো. '১৯] ***	মোনোমালিন্যে
মন্তব্য [কু. বো. '১৭; সি. বো. ১৬] ***	মোন্তোব্বো
মর্যাদা [ঢা. বো. '১৭; য. বো. '১৭; চ. বো. '১৭] ***	মোর্জাদা
মৃন্ময় [ব. বো. '১৭] **	মৃন্ময়
যথাক্রমে [চ. বো. '১৭] ***	যথাক্রেমে
রাষ্ট্রপতি [ঢা. বো. '২৩; সকল বোর্ড '১৮] ***	রাষ্ট্রপতি
রূপসী [সি. বো. '১৯; চ. বো. '১৬] ***	রূপোসি
শ্রাবণ [সকল বোর্ড '১৮] ***	স্বাবোন
শ্রদ্ধাস্পদ [সকল বোর্ড '১৮] ***	স্বোদ্ধাশ্পদো
শ্রবণ [দি. বো. '১৯] ***	স্বোবোন্
শ্রম [ঢা. বো. '১৯] ***	স্বোম্
ষান্মাসিক [রা. বো. '১৯; ব. বো. ১৬; কু. বো. '১৯]	শান্মাশিক
স্বাগত [ঢা. বো. '১৯; কু. বো. ১৬; ব. বো. ১৬] ***	শাগতো
সমন্বয় [সি. বো. ১৬] **	শমোন্ নয়
সৃজনশীল [য. বো. '১৭] **	সৃজোন্ শিল্
হিংস্র [য. বো. '১৭] ***	হিঙ্স্রো

নিচের অশুল্ক বানানগুলোকে শুল্ক করে লেখ

অশুল্ক বানান	শুল্ক বানান
আকাংখা [ম. বো. '২২; দি. বো. '২২; ঢ. বো. '১৯, '১৫, '১২, '১০, '০৮; রা. বো. '১৯, '০৩; ঘ. বো. '১৪, '০৮; কু. বো. '১৭, '১৪, '০৯; চ. বো. '১৯; সি. বো. '১৩, '১১; ব. বো. '১৭, '১৫, '১০] দি. বো. '১৫] ***	আকাঙ্ক্ষা
অধ্যয়ন [ঢ. বো. '১০, ঘ. বো. '০৬; চ. বো. '০৭, সি. বো. '১৪, '০৯] ***	অধ্যয়ন
অতিথি [ঢ. বো. ১৯] **	অতিথি
অত্যান্ত [ঘ. বো. '১০; কু. বো. '০৬, '০৩] ***	অত্যন্ত
অধীনস্ত [সি. বো. '১২, দি. বো. '১৯] ***	অধীন
অন্তভুক্ত [চ. বো. '১৩] *	অন্তভুক্ত
অপরাহ্ন [ম. বো. '২২; ঢ. বো. '০৯; রা. বো. ১৪, '০৩; ঘ. বো. '১৭, '১০, '০৬; কু. বো. '১৩, '০৯; সি. বো. '১৯, '১৩, '১১; দি. বো. '১৫] ***	অপরাহ্ন
অহোরাত্রি [রা. বো. '১২; চ. বো. '১৯; সি. বো. '১৯] ***	অহোরাত্রি
আদ্যন্ত [রা. বো. '১২] **	আদ্যন্ত
আবিক্ষার [ঢ. বো. '১৯; রা. বো. '১৭, '১৪] ***	আবিক্ষার
আইনজীবি [চ. বো. '১১, '০৭; সি. বো. '১৪; ব. বো. '০৭, দি. বো. '১৪; সকল বোর্ড '১৮] ***	আইনজীবী
উচ্ছাস [সি. বো. '২৩, '০৯; ম. বো. '২২; সি. বো. '২২; ঢ. বো. '১১; রা. বো. '০৭; ঘ. বো. ১৫; কু. বো. '০৯, ০৩; দি. বো. ১০; সকল বোর্ড '১৮] ***	উচ্ছাস

আত্মস্ত [য. বো. '০৭] **	আত্মস্ত
আলচ্যমান [দি. বো. '১৩]	আলোচ্যমান
আশাঢ় [কু. বো. '০৩] *	আষাঢ়
ইতিপূর্বে [রা. বো. '১৩, ০৩; য. বো. ১৫, '০৯, '০৩; কু. বো. ১৩, '০৯; চ. বো. '০৭; সি. বো. ১৭ '০৭; ব. বো. '১৪; দি. বো. ১৫] ***	ইতিপূর্বে
এক্যতান [রা. বো. '১৪; ঢা. বো. ১২, '০৯; চ. বো. '১৭, '০৭, ব. বো. ১৪] ***	একতান
এক্যমত্য [ঢা. বো. '১৪; কু.বো. '১৪; ব. বো. '১৪] ***	একমত্য
উপযোগীতা [দি বো, '১৩] ***	উপযোগিতা
উদীচি [সি. বো. '১৯] ***	উদীচি
উপরোক্ত [ঢা. বো. '১২, '০৯, রা. বো. '১৯; য. বো. '১৫, '০৬; কু. বো. ১৩; সি. বো. '১৭; ব. বো. ১০] ***	উপর্যুক্ত/উপরিউক্ত
আগমনি [দি. বো. '১০] *	আগমনী
উচিত [য. বো. '১৫; কু. বো. '০৯] ***	উচিত
উজ্জল [ঢা. বো. '১০; সি. বো. ১৪] ***	উজ্জল
উজ্জল্য [দি. বো. '২২; ব. বো. '১৯] **	উজ্জল্য
উত্তরায়ণ [সি. বো. ১২] *	উত্তরায়ণ
উচ্ছল [ব. বো. ১৫] *	উচ্ছল
ঝন [সি. বো. ১২] **	ঝণ
ইতিমধ্যে [ঢা. বো. ১৪, ১১; কু. বো. ১৪, '০৬; চ. বো. '১১; সি. বো. '১৯, '১৪, ১৩; ব. বো. '১৫; দি. বো. ১৭, ১২; সকল	ইতোমধ্যে

বোর্ড '১৮] ***	
ইংরেজী [দি.বো. '১৪] ***	ইংরেজি
কথোপোকোথন [য. বো. '১৯; দি. বো. ১৭] ***	কথোপকথন
কর্মজীবি [চ. বো. ১৩] ***	কর্মজীবী
কুজ্ঞিটিকা [য. বো. ১১, '০৬; দি. বো. '১৯] ***	কুজ্ঞিটিকা
কৌতুহল [য. বো. '০৩] **	কৌতুহল
কৃতি [ঢা বো. ১২] ***	কৃত
কৃতিবাস [চ. বো. '১৯] ***	কৃতিবাস
কল্যাণ [দি. বো. ১৩] ***	কল্যাণ
কলংকিত [য. বো. ০৭] ***	কলংকিত
কার্যালয় [ঢা. বো. '০৮; রাব. বো. '০৯, '০৭; ব. বো. ১০] **	কার্যালয়
গীতাঞ্জলী [ঢা. বো. ১০, '০৮; রাব.বো. '১৪; য. বো. '১৭; কু. বো. '০৯, '০৬; চ. বো. ১৩, '০৭; দি. বো. '১২, '১০] ***	গীতাঞ্জলি
গ্রামীণ [সি. বো. ১০] **	গ্রামীণ
ঘুরাঘুরি [চ. বো. ১৪] ***	ঘোরাঘুরি
ছাত্রছাত্রীগণ [য. বো. '০৭] ***	ছাত্রছাত্রীগণ
চতুর্ক্ষেণ [ঢা. বো. ১৪; দি. বো. ১৯] ***	চতুর্ক্ষেণ
জগত [রাব. বো. ১২] **	জগৎ
জাজ্বল্যমান [সি. বো. '১৭] ***	জাজ্বল্যমান
জীবিকা [দি. বো. ১৩] ***	জীবিকা
জৈষ্ঠ্য [ঢা বো. '১৭] ***	জৈষ্ঠ্য
জ্যৈষ্ঠ্য [ঢা. বো. ১৫; দি. বো. ১৯] ***	জ্যৈষ্ঠ

ঝরণা [ৱা. বো. ১৩] ***	ঝরনা
তেরণ [ৱা. বো. ১৫; সি. বো. ১০] ***	তেরণ
দারিদ্র্যতা [ঢা. বো. ১১; রা. বো. '০৯; য. বো. ১৫, '১০, '০৮, '০৩; কু. বো. ১৫; চ. বো. ০৮; সি. বো. '০৯, '০৭, '০৬, ব. বো. '০৭; দি. বো. '১৫] ***	দারিদ্র্য/দরিদ্রতা
দূরাদৃষ্টি [কু. বো. ১৩] ***	দূরদৃষ্টি
দূষিত [য. বো. '০৭] *	দূষিত
দ্বন্দ্ব [ৱা. বো. '০৭] *	দ্বন্দ্ব
দৈন্যতা [দি. বো. '২২, '১৭; ঢা. বো. ১৫; রা. বো. '১৫, '১৩; য. বো. '১৭, '১৪, '১১, '০৯, '০৬; সি. বো. ১৩; ব. বো. '১৯, '১০, '০৭] ***	দীনতা/দৈন্য
দূরাবস্থা [ৱা. বো. '১৯; য. বো. ১০; কু. বো. ১৩; সি. বো. '২৩, ১৭, '১০, '০৭; চ. বো. '০৭] ***	দূরবস্থা
দুঃস্ত [ৱা. বো. '১৭] ***	সুস্ত
দূষণীয় [সি. বো. ১০] ***	দূষণীয়
দুর্বিশহ [সি. বো. '১০] ***	দুর্বিশহ
দূরন্ত [চ. বো. ১৩] ***	দূরন্ত
দিবারাত্রি [কু. বো. '১৯] ***	দিবারাত্রি
নিক্ষণ [য. বো. '০৬] ***	নিক্ষণ
ন্যূনতম/নুন্যতম [দি. বো. '২২, '১৯; ঢা. বো. '১৭, '১৫; য. বো. ১৪, '০৭; কু. বো. '১৫; সি. বো. ১১; ব. বো. '১৭, '১৪]	নুন্যতম
নিশ্চিথিনী [ৱা. বো. '১৯; সি. বো. '১৯; য. বো. ১১] ***	নিশ্চিথিনী

নিরপরাধী [ব. বো. '১৯] ***	নিরপরাধ
নৃপুর [সি. বো. '১৯, '১৩] ***	নৃপুর
নিরব [রা. বো. '২৩; দি. বো. ১০] *	নীরব
নন্দী [ঢ. বো. '১৭] ***	নন্দি
পঁচা [রা. বো. '১৩] ***	পঁচা
প্রাণীবিদ্যা [ঢ. বো. '০৯; য. বো. ১০, '০৬; কু. বো. '০৬, '০৩; চ. বো. '১৭, ০৬, ০৮; সি. বো. ১৯, ১০, '০৭; ব. বো. ১৫; দি. বো. ১৪, ১১, ১০] ***	প্রাণীবিদ্যা
প্রণয়নী/প্রনয়নী [রা. বো. '১৭, '১৩] ***	প্রণয়নী
প্রজ্ঞলন [কু. বো. '১৯, '১৫] ***	প্রজ্ঞলন
পিপিলিকা [ঢ. বো. ১৭, '১৪, ১২; রা. বো. ১৪, ১২, '০৯; য. বো. '১৯; কু. বো. ১৯; সি. বো. ১৪; ব. বো. '১৯, '১০; দি. বো. '১৯, ১৩, ১১] ***	পিপিলিকা
পুরক্ষার [ঢ. বো. ১০; রা. বো. ১৩; কু. বো. '১৭; চ.বো. '১৯ দি. বো. ১৪] ***	পুরক্ষার
পুরাণ [চ. বো. ১৩]	পুরাণ
পানিনী/পাণিনী [সি. বো. '২২; ঢ. বো. '১৭, '১৪; ব. বো. ১৭; দি. বো. ১১] ***	পাণিনি
পন্য [চ. বো. ১৪] ***	পণ্য
পরজীবি [ঢ. বো. '২৩, য. বো. '০৭] ***	পরজীবী
প্রতিদ্বন্দ্বিতা [য. বো. '১৫] **	প্রতিদ্বন্দ্বিতা
প্রতিযোগিতা [ম. বো. '২২; ঢ. বো. ১৫, '১২; রা. বো. '১৭, ০৩; য. বো. '০৬, '০৪, ০৩; কু. বো. ০৯; চ. বো. '০৭; সি.	প্রতিযোগিতা

বো. '১০; ব. বো. '১৫; দি. বো. ১০] ***	
পোষ্টমাস্টার [ঢা. বো. '০৮; রা. বো. '০৯; সি. বো. '১০, '০৭; ব. বো. '১৭; সকল বোর্ড '১৮] ***	পোস্টমাস্টার
প্রাতঃভ্রমণ [ব. বো. '১৯] ***	প্রাতভ্রমণ
প্রাতঃরাশ [ব. বো. '১০] **	প্রাতরাশ
পরিষ্কার [য. বো. '১১] ***	পরিষ্কার
প্রনয়ন [রা. বো. '১৯, '১৫; য. বো. '১৫] ***	প্রনয়ন
পৈত্রিক [দি. বো. '২২; ঢা. বো. '১৯; য. বো. ১৪; কু. বো. '১৭; চ. বো. '১৭] ***	পৈতৃক
ফটোস্ট্যাট/ফটোষ্টেট [সি. বো. '২২; রা. বো. '১৭; দি. বো. ১৪] ***	ফটোস্ট্যাট
বয়জ্যেষ্ঠ [য. বো. '১৪; কু. বো. ১৩] ***	বয়োজ্যেষ্ঠ
বিভিষিকা/বিভিষীকা [ঢা. বো. '১৯, '১২, '০৯; য. বো. '০৯; সি. বো. '০৬; ব. বো. ১০; দি. বো. ১১] ***	বিভিষিকা
বীরস্বনা [য. বো. ১৯] ***	বিড়স্বনা
ব্রাহ্মণ [সি. বো. ১১; দি. বো. ১৫] ***	ব্রাহ্মণ
বাল্মীকী/বাল্মীকী [রা. বো. '০৯; য. বো. '১৭; সি. বো. '১৭; ব. বো. ১৪] ***	বাল্মীকি
বাণিজ্য [চ. বো. '১৯] **	বাণিজ্য
ব্যাতিত [ঢা. বো. '১০; য. বো. '০৭; দি. বো. ১১] ***	ব্যতীত
ব্যার্থ [দি. বো. '১৩] **	ব্যর্থ
ব্যঙ্গ [রা. বো. ১৩] **	ব্যঙ্গ

বুৎপত্তি [ঘ. বো. '১৯] ***	বুৎপত্তি
বহিকার [রা. বো. '১২; সি. বো. ১২; ব. বো. '১৯] ***	বহিকার
বুদ্ধিজীবি [ঢ. বো. '১৯; রা. বো. '১৭; কু. বো. '১৭; চ. বো. '০৮; সি. বো. ১২, ১০; দি. বো. '১৭] ***	বুদ্ধিজীবি
বিদূষী/বিদূষি [ব. বো. '০৭; দি. বো. '১৩; সকল বোর্ড '১৮]	বিদূষী
বিভিষিকা [দি. বো. ১১] ***	বিভিষিকা
ব্যায় [কু. বো. '০৬, '০৩] *	ব্যয়
বাংগালী [রা. বো. '১৭] ***	বাঙালি
বৈয়াকরণিক [কু. বো. '১৯] ***	বৈয়াকরণ
ভৌগলিক [ঢ. বো. ১০; য. বো. ১৪; চ. বো. '১৭; সি. বো. ১২; দি. বো. ১৪, '১২] ***	ভৌগোলিক
ভাতুষ্পুত্র [ঢ. বো. '০৮; য. বো. ১০, '০৯; কু. বো. ০৬]	ভাতুষ্পুত্র
ভূবন/ভূবণ [ঢ. বো. '১২; য. বো. '০৭; চ. বো. ১৩; ব. বো. '০৮] ***	ভূবন
ভম [চ. বো. '১৪] **	ভম
মহত্ব [ঢ. বো. ১৭] ***	মহত্ব
মুমুর্শ/মুমুর্শ [ঢ. বো. '১১, '০৮; রা. বো. '১৫, '১৪, ১২, '০৯, '০৩; য. বো. ১৭; চ. বো. '১৯, ১৭; সি. বো. '১৪, ১২, '০৯; ব. বো. '১৭, '১৫, '১৪, '০৭; দি. বো. '১৯] ***	মুমুর্শ
মনিজাল [রা. বো. '১৩] ***	মণিজাল
মরিচিকা [সি. বো. '২২; য. বো. ১০, '০৮; চ. বো. '১৯; দি. বো. ১১] ***	মরীচিকা
মন্ত্রীসভা [সি. বো. '১০, '০৬] ***	মন্ত্রিসভা

মুখ্স্ত [চ. বো. '১৪; সি. বো. ১৩, '০৬; দি. বো. ১৩] ***	মুখ্স্ত
মুহূর্ত [ঢ. বো. '১০; রা. বো. ১৩, '০৩; য. বো. ০৮; চ. বো. '১৩; কু. বো. '০৯; সি. বো. '০৬; দি. বো. ১২] ***	মুহূর্ত
মনোপুত [ঢ. বো. '১৯, '১০; রা. বো. ১৫; য. বো. '১০; সি. বো. '১৩] ***	মন:পুত
মুহুর্মুহু [কু. বো. '১৯, '১৫; সি. বো. '১৭] ***	মুহুর্মুহু
মনকষ্ট/মনোকষ্ট [ঢ. বো. ১৫; রা. বো. '১৯; য. বো. '০৯; কু. বো. ১৩, ০৩; চ. বো. ০৬; সি. বো. '১১; ব. বো. '১৪] *	মন:কষ্ট
মনিষী/মনিষি/মনীসী [ঢ. বো. ২৩; ম. বো. '২২; ঢ. বো. '১৭, '১৪; য. বো. '০৭; চ. বো. ১১; সি. বো. ১৪, '১২; ব. বো. '০৭] ***	মনীষী
মহিষি [দি. বো. '১৯] ***	মহিষী
মন্ত্রীত্ব [দি. বো. '১২] **	মন্ত্রীত্ব
মনমোহন [ঢ. বো. '০৯; রা. বো. '০৭; য. বো. ১০; কু. বো. '০৩] ***	মনোমোহন
মাধুর্যতা [ব. বো. '১৯] ***	মাধুর্য
রেজিস্ট্রেশন [সি. বো. ১৭] ***	রেজিস্ট্রেশন
লজাক্ষর [রা. বো. '১৪, য. বো. ১০; কু. বো. ১৭, '১৪; সি. বো. '১১; দি. বো. ১০] ***	লজাকর
শুশ্রাব/শশুশা/সুশ্রচা [সি. বো. ২৩, ১৪, ১১; ঢ. বো. ১৫; রা. বো. ১৪; কু. বো. '০৬; য. বো. ১১, '০৯; ব. বো. '০৭; দি. বো. '১৫] ***	শুশ্রাব
শিরোচেদ/শিরচেদ [দি. বো. '২২; ঢ. বো. '১৫; রা. বো.	শিরচেদ

১২; য. বো. '১৯, '১৪, '০৯, '০৬; কু. বো. ১৫, '১৩; চ. বো. '১৯, '১৭, '১১; সি. বো. '১৯, '১৭, '১৩; দি. বো. '১৭, '১৫, '১২] ***	
শ্রমজীবি [ম. বো. '২২; সি. বো. '২২; দি. বো. '১১] **	শ্রমজীবি
শান্তনা/স্বান্তনা [ঢ. বো. ১১, '০৯; রা. বো. ১৫; য. বো. '১৯, '১৭, ১১, '০৯, '০৬; কু. বো. '১৭, '১৫, '১৪; চ. বো. '১১, '০৬; সি. বো. '১৩, '১১, '০৭; ব. বো. '১৭, '১৪, '১০, '০৭; দি. বো. '১৭, ১৫, ১৪, ১২] ***	সান্তনা
শারিয়েক [চ. বো. '১৭; সি. বো. ১৪; ব. বো. '০৭] ***	শারীরিক
শ্বাশড়ি [চ.বো. '১৪] **	শ্বাশড়ি
স্টের [দি. বো. ১২] **	স্টের
স্টেশন [রা. বো. '১৪; য. বো. ১৫; চ. বো. ১৩] **	স্টেশন
স্টেডিয়াম [য. বো. '১৯, '১৭; ব. বো. ১০] **	স্টেডিয়াম
সমিচিন [ঢ. বো. ১৪, '১১, '০৮; রা. বো. '১৯, '১৪, '০৭; য. বো. ১৪, ১১, '০৯, ০৩, কু. বো. '১৭; চ. বো. '০৭; সি. বো. ১১, ০৭; ব. বো. '১৭; দি. বো. ১৫, '১১, '১০; সকল বোর্ড '১৮] ***	সমীচীন
সম্বলিত [য. বো. ০৩] **	সংবলিত
সুস্বাগত [ঢ. বো. '১৭] ***	স্বাগত
সচিত্রিত [ব. বো. '১৯] ***	সচিত্রি
সখ্যতা [ব. বো. ১৫] **	সখ্য
সুষ্ঠ [সি. বো. '২৩, ঢ. বো. '১১, '০৯; য. বো. '০৩; ব. বো. '১৫; দি. বো. ১২, '১০] ***	সুষ্ঠ

সুষ্ঠ [সি. বো. '২৩, কু. বো. '১৯, '১৪; চ. বো. '০৭] ***	সুষ্ঠ
সন্যাসী/সন্নাসী [রা. বো. ১৫, ১৪, ১২, '০৭; য. বো. ১৭; দি. বো. ১০] ***	সন্যাসী
স্বন্ত্রীক [কু. বো. '০৬; সি. বো. '০৯; ব. বো. '১৫] ***	সন্ত্রীক
সাতন্ত্র [ম. বো. '২২; রা. বো. '১৯] ***	স্বাতন্ত্র
সমির [রা. বো. ১৫] ***	সমীরণ
সুপারিস [য. বো. ০৩] **	সুপারিশ
সন্ধিহান [রা. বো. '০৩; কু. বো. '০৯] ***	সন্ধিহান
সত্তা [সকল বোর্ড '১৮] ***	সত্তা
সহকারি [চ.বো. '১৪] ***	সহকারী
সম্বর্ধনা/সমবর্ধনা [ঢা. বো. ১৫, ১৪, ১১, '০৮; রা. বো. '০৯, '০৭; য. বো. ১১; কু. বো. '০৬, '০৩; চ. বো. '১৭, '১৪; দি. বো. ১৯, '১৭] ***	সংবর্ধনা
শ্রেহাশীষ [ঢা. বো. '১১; কু. বো. '১৭, '১৩; সি. বো. ০৭] *	শ্রেহাশিস
সহযোগীতা [সি. বো. '২২; রা. বো. '১৩, '০৭; কু. বো. ১৪; চ. বো. ১১] ***	সহযোগিতা
স্বরস্বত্তী [ঢা. বো. '১৯, '১২; রা. বো '১৭, ১৫, ১৪; য. বো. ১১; চ. বো. ১৩, '১১; ব. বো. ১৭] ***	সরস্বতী
সর্বশান্ত [কু. বো. ১৫] **	সর্বস্বান্ত
স্মরণার্থী [কু. বো. ১৫] **	শরণার্থ
স্বার্থকতা [কু.বো. '১৪] ***	সার্থকতা
সংস্কৃতিক [দি. বো. '১৩] ***	সাংস্কৃতিক

ব্যাকরণিক শব্দশ্রেণি নির্ণয়

বাক্য	ব্যাকরণিক শব্দশ্রেণি
বিপদ কখনও একা আসে না। [ঢ. বো. '২৩; কু. বো. ১৯]	বিশেষ
চলো <u>কোথাও</u> একটু ঘুরে আসি। [কু. বো. ১৯]	অনিদিষ্ট সর্বনাম
দুঃখ বিনা সুখ লাভ হয় কি মহীতে! [ঢ. বো. '২৩]	অনুসর্গ
<u>শাবাশ!</u> দারুণ খেলছে আমাদের ছেলেরা। [ঢ. বো. '১৭]	আবেগ শব্দ
করিম <u>ও</u> রহিম দুই ভাই। [কু. বো. '১৭]	যোজক
<u>ভালো</u> আমটি খাও। [কু. বো. '১৭]	বিশেষণ
ট্রেনটা এখনই <u>এসে</u> পড়বে। [কু. বো. '১৯]	ক্রিয়া
যথা ধর্ম তথা জয়। [কু. বো. ১৭]	সাপেক্ষ যোজক
শুভ্র সমুজ্জ্বল <u>এ</u> তাজমহল। [কু. বো. ১৭; দি. বো. '১৯]	বিশেষ
নদীর বুকে চর জেগেছে। [কু. বো. '১৯]	ক্রিয়া বিশেষণ
আমাদের ছোট গাঁয়ে ছোট ছোট ঘর। [কু. বো. ১৭]	বিশেষণ
<u>মোদের</u> গরব মোদের আশা আমরি বাংলা ভাষা। [চ. বো. '১৭, সি. বো. ১৯; দি. বো. ১৯]	সর্বনাম
বাঃ! আমাদের মেয়েরা দারুণ খেলেছে। [সি. বো. '১৯]	আবেগ শব্দ
এত চিনি দিলাম তবু মিষ্টি হলো না। [কু. বো. ১৯]	যোজক
আমাদের সমাজ <u>আর</u> ওদের সমাজ এক রকম	যোজক

নয়। [য. বো. ১৯; চ. বো. '১৭; সি. বো. ১৯]	
হঠাতে দেখতে পেল চলন্ত বাস থেকে যাত্রীরা লাফিয়ে নামছে। [দি বো, '১৯]	ক্রিয়া বিশেষণ
এগিয়ে চলেছে প্রতিবাদী মিছিল। [চ. বো. ১৭]	বিশেষ্য
পড়ুন্ত বিকেলে হাঁটতে ভালো লাগে। [চ. বো. ১৭]	বিশেষণ
অনেকেই ভাতের <u>বদলে</u> রুটি খায়। [চ. বো. ১৭]	অনুসর্গ
পয়লা বৈশাখ বাঙালির উৎসবের দিন।	তারিখবাচক বিশেষণ
চলো <u>কোথাও</u> বেড়াতে যাই। [চ. বো. ১৭]	অনিদিষ্ট সর্বনাম
অধিক <u>ভোজন</u> অনুচিত। [চ. বো. '১৭]	ক্রিয়াবাচক বিশেষ্য
প্রগাঢ় নিকুঞ্জ [ব. বো. ১৭]	বিশেষণ
সিঙ্গ নীলান্ধরী [ব. বো. ১৭]	বিশেষ্য
পুলকিত সচ্ছলতা [ব. বো. ১৭]	বিশেষণ
তিনটি ফুল আর অনেক পাতা [ব. বো. ১৭]	বিশেষণ
নীল, হলুদ, বেগুনি <u>অথবা</u> সাদা	অব্যয়
তুমি যে আমার কবিতা। [কু. বো. '১৭]	সর্বনাম
নিপুণ দক্ষতায় কাজটি শেষ হল	বিশেষণ
তামিম <u>নিজে</u> নিজে কাজ করে।	আত্মবাচক সর্বনাম
পাখি <u>সব</u> করে রব।	সাকল্যবাচক সর্বনাম
আমাদের যাত্রা সমুদ্র অভিমুখে। [কু. বো. ১৯]	অনুসর্গ
যেমন কর্ম <u>তেমন</u> ফল।	সাপেক্ষ সর্বনাম

কে এই আগস্তক?	প্রশ্নবাচক সর্বনাম
হে বন্ধু, বিদায়! [ক. বো. ১৯]	আবেগ শব্দ
তার মায়ের হাতের পিঠা যেন অমৃত [দি বো. ১৯]	বিশেষণ
অধ্যক্ষ <u>বরাবর</u> দরখাস্ত কর।	অনুসর্গ
<u>বেশ</u> , তাই হবে।	অব্যয়
ভালো <u>করে</u> লেখাপড়া করো।	অসমাপিকা ক্রিয়া
পায়ে <u>হাঁটা</u> পথ ধরে সোজা এগিয়ে চললাম।	ক্রিয়াজাত বিশেষণ
মা শিশুকে চাঁদ <u>দেখাচ্ছেন</u> ।	প্রযোজক ক্রিয়া
এবার <u>ভাবতে</u> থাক।	যৌগিক ক্রিয়া
যত গর্জে <u>তত</u> বর্ষে না।	সাপেক্ষ সর্বনাম
মামা বিবাহ বাড়িতে ঢুকিয়া <u>খুশি হইলেন</u> না।	মিশ্র ক্রিয়া
মেটে কলসিতে পানি ঠাণ্ডা থাকে।	উপাদানবাচক বিশেষণ
<u>জনতা</u> নীরব রইল না।	বিশেষ্য(সমষ্টিবাচক)
শিক্ষক ছাত্রদের ব্যাকরণ <u>পড়াচ্ছেন</u> ।	প্রযোজক ক্রিয়া
সীমার <u>মাঝে</u> অসীম তুমি।	অনুসর্গ
তুমি <u>অথবা</u> তোমার ভাই কাজটি করবে।	অব্যয়
স্টেশনে এসে দেখি <u>যে</u> , ট্রেনটা চলে গেছে।	সর্বনাম(সংযোগজ্ঞাপ ক)
ফুল কি <u>ফোটেনি</u> শাখে?	না বাচক ক্রিয়া বিশেষণ
এখনও <u>বিস্ময়</u> জাগে মানুষের মনে।	বিশেষ্য

হাত-মুখ <u>ধুয়ে</u> পড়তে বসো ।	অসমাপিকা ক্রিয়া
দূর পাগল! এসব নিয়ে অত ভাবতে নেই ।	আবেগ শব্দ
সারাদিন বৃষ্টি হলো <u>তরুও</u> গরম গেল না ।	অব্যয়
রান্নার <u>জন্য</u> রাঁধুনি ব্যাকুল ।	অনুসর্গ
শৈলী <u>এখনই</u> পড়তে বসবে ।	সর্বনাম
আপন <u>ভালো</u> সবাই চায় ।	বিশেষ্য
নিশ্চীথ রাতে বাজছে বাঁশি ।	বিশেষণ
ধীর ধীরে বায়ু বয় ।	বিশেষণ
তিনি বিদ্বান, <u>অথচ</u> সৎ ব্যক্তি নন ।	অব্যয়
মেঘনা বাংলাদেশের বড় নদী ।	বিশেষ্য
ঢাকা বাংলাদেশের রাজধানী ।	বিশেষ্য
মন্দ লোককে ঘৃণা কর ।	বিশেষণ
বাগানে ফুল <u>ফুটেছে</u> ।	সমাপিকা ক্রিয়া
বাড়িটি <u>খাঁ খাঁ</u> করছে ।	ক্রিয়া বিশেষণ
বাহ, কী সুন্দর সকালে আমরা এসেছি ।	প্রশংসাবাচক আবেগশব্দ
কুড়েমি রেখে পরিশ্রম করো ।	বিশেষ্য
ঝড়ো হাওয়ায় ধুলি উড়ছে ।	বিশেষণ
যতক্ষণ সাহস আছে চেষ্টা করবে ।	ক্রিয়া বিশেষণ
মনে কর কী উপন্যাস পড়েছিল ।	অসমাপিকা ক্রিয়া
তুমি আমার প্রিয় স্বদেশ ।	সর্বনাম
বঙ্গবন্ধু যার উপাধি ।	বিশেষণ
তুমি <u>অথবা</u> সে এ কাজটি করেছে ।	অব্যয়

রহিম মিয়ার <u>তিনটি</u> ফুল বাগান আছে।	বিশেষণ
সিনা ছবি <u>রঙ</u> করে।	ক্রিয়া
নিলু <u>বই</u> <u>পড়ে</u> ।	ক্রিয়া
সামনে কাঠের <u>পুল</u> ।	বিশেষ্য
<u>উঃ</u> ছেলেটির কী কষ্ট!	আবেগ শব্দ
সে কথাই এরা ভাবে।	সর্বনাম
সর্বদা তার মনে <u>দুঃখ</u> ।	বিশেষণ
তুমি <u>ছাড়া</u> এ জগতে মোর কেহ নাই।	বিবর্তিত অনুসর্গ
সারাদিন বৃষ্টি হলো <u>তরুও</u> গরম গেল না।	অব্যয়
আমি <u>যে</u> তোমার বড় ভাই।	সাপেক্ষ সর্বনাম
বারে বারে ঘুঘু তুমি খেয়ে যাও ধান।	নির্ধারক বিশেষণ
সকাল থেকে টিপটিপ বৃষ্টি পড়ছিল।	ক্রিয়া বিশেষণ
তুমি সন্ধ্যার মেঘমালা।	সর্বনাম
বৃষ্টি হলো তরু গরম গেল না।	অব্যয়
শ্রাবণের সাদা মেঘে আকাশে ছেয়ে গেছে।	বিশেষণ
বুঝিয়াছিলাম মেয়েটির রূপ বড় আশ্চর্য।	ক্রিয়াপদ
বন্যেরা বনে সুন্দর শিশুরা মাতৃক্রোড়ে।	বিশেষণ
তিনি সন্ত্রীক ঢাকায় থাকেন।	বিশেষণ
আমি কি ডরাই সখি ভিখারি রাখবে?	ক্রিয়া বিশেষণ
মানুষ চেনা খুব কঠিন।	বিশেষণ
অল্লে তুষ্ট থাকা উচিত।	বিশেষণ
আজ নয় কাল সে আসবেই।	অব্যয়
পয়লা বৈশাখ বাঙালির উৎসবের দিন।	তারিখবাচক বিশেষণ

অনুচ্ছেদ

→ নিমরেখ শব্দগুলোর ব্যাকরণিক শ্রেণি নির্দেশ কর। [ঢ. বো. ১৯]

একটু মিটমিট করিয়া ক্ষুদ্র আলো জ্বলিতেছে- দেয়ালের উপর চঞ্চল ছায়া, প্রেতবৎ নাচিতেছে। আহার প্রস্তুত হয় নাই এজন্য ছঁকা হাতে, নিমীলিত লোচনে আমি ভাবিতেছিলাম যে, আমি যদি নেপোলিয়ন হইতাম, তবে ওয়াটারলু জিতিতে পারিতাম কি না।

উত্তর : ব্যাকরণিক শব্দশ্রেণি : ক্রিয়া বিশেষণ, বিশেষণ, বিশেষ্য, ক্রিয়া, যোজক।

→ নিচের অনুচ্ছেদ থেকে যৌগিক ক্রিয়া চিহ্নিত কর। [রা. বো. ১৯; রা. বো. ১৭]

“চাহিয়া দেখিলাম - হঠাৎ কিছু বুঝিতে পারিলাম না। প্রথমে মনে করিলাম, ওয়েলিংটন হঠাৎ বিড়ালত্ব প্রাপ্ত হইয়া আমার নিকট ভিক্ষা করিতে আসিয়াছে। প্রথম উদ্যমে, পাষাণবৎ কঠিন হইয়া, বলিব মনে করিলাম যে, ডিউক মহাশয়কে ইতিপূর্বে (ইতঃপূর্বে) যথোচিত পুরস্কার দেওয়া গিয়াছে, এক্ষণে আর অতিরিক্ত পুরস্কার দেওয়া যাইতে পারে না।”

উত্তর : যৌগিক ক্রিয়া : চাহিয়া দেখিলাম, বুঝিতে পারিলাম, করিতে আসিয়াছে, দেওয়া গিয়াছে, যাইতে পারে।

→ নিচের অনুচ্ছেদ থেকে ক্রিয়া বিশেষণ চিহ্নিত কর। [চ. বো. ১৯]

ইট বসানো রাস্তা দিয়ে করিম বাড়ি ফিরছিল। হঠাৎ দেখতে পেল চলন্ত বাস থেকে যাত্রীরা লাফিয়ে নামছে। হাঁটা-পথের অনেকেই দৃশ্যটি তাকিয়ে দেখল। কয়েক জনের যায় যায় অবস্থা। কাঁদো-কাঁদো চেহারার মানুষগুলোকে দেখে করিম মনে কষ্ট পেল।

উত্তর : ক্রিয়া বিশেষণ : ইট বসানো রাস্তা, বাড়ি, চলন্ত বাস, লাফিয়ে, তাকিয়ে, মনে।

→ নিচের অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ চিহ্নিত কর। [ব. বো. ১৯; রা. বো. '১৭]

আছেন তো ভালো? ছেলেমেয়ে? কিছু আলাপের পর দেখিয়ে সফেদ দেয়ালের শান্ত ফটোগ্রাফটিকে বললাম জিজ্ঞাসু অতিথিকে—

উত্তর : বিশেষণ পদ : ভালো, কিছু, সফেদ, শান্ত, জিজ্ঞাসু।

→ নিচের অনুচ্ছেদ থেকে নিম্নরেখ শব্দগুলোর ব্যাকরণিক শ্রেণি নির্দেশ কর। [সকল বোর্ড '১৮]

সে ছিল চমৎকার এক সুন্দরী তরুণী। নিয়তির ভুলেই যেন এক কেরানির পরিবারে তার জন্ম হয়েছে। তার ছিল না কোনো আনন্দ, কোনো আশা। পরিচিত হবার, প্রশংসা পাওয়ার, প্রেমলাভ করার এবং কোনো ধনী অথবা বিশিষ্ট লোকের সঙ্গে বিবাহিত হওয়ার কোনো উপায় তার ছিল না। তাই শিক্ষা পরিষদ আপিসের সামান্য এক কেরানির সঙ্গে বিবাহ সে স্বীকার করে নিয়েছিল।

উত্তর : ব্যাকরণিক শ্রেণি : বিশেষণ; সমষ্টিবাচক বিশেষ্য; সর্বনাম, অব্যয়; বিশেষণ।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর। [য. বো. ১৭]

আদি কবি বাল্মীকি একদিন কাকডাকা ভোরে সবুজ ঘামের উপর আনমনে বসে গাছের ডালে বসা চত্বর দুটি সাদা বক ও বকীর দিকে তাকাচ্ছিলেন। এমন সময় একজন শিকারি নিচ থেকে সোনালি রঙের তীর নিক্ষেপ করলেন। একটি বকের

দেহে তীর বিন্দু হলো। বেখেয়ালি কবি বললেন দুটি শ্লোক। এভাবেই প্রথম কবিতার জন্ম।

উত্তর: বিশেষণ: কাকডাকা, সবুজ, চত্বর, সাদা, একজন, সোনালি, একটি, বেখেয়ালি।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর। [সি. বো. '১৭]

এখন প্রচণ্ড শীত। কফিল ঠাণ্ডা থেকে রক্ষা পেতে উঠানে বসে সকালের মিষ্টি রোদে গা গরম করছিল। রান্নাঘর থেকে মা তাকে ডাক দেয় ভাঁপা পিঠা খেতে। তার মায়ের হাতের পিঠা যেন অমৃত। লোভাতুর জিহ্বার পরিত্বষ্ণি সাধনে সে নগ্নপায়ে রান্নাঘরে দৌড় দেয়।

উত্তর : বিশেষণ : প্রচণ্ড, মিষ্টি, অমৃত, লোভাতুর, নগ্নপায়ে।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর। [ব. বো. ১৭]

“নীল আকাশ। রোদেলা দুপুর। পাথিটি পাখনা মেলে দিগন্তের পথে পাড়ি জমাচ্ছ। দখিনা বাতাসে টকটকে লাল পলাশ ফুল দুলছে। তাই দেখে সাদা মেঘের দলও বলাকার মতে উড়ছে; যাব দূরে বহুদূরে।”

উত্তর : বিশেষণ : নীল, রোদেলা, দিগন্তের, দখিনা, টকটকে লাল, সাদা।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর [দি. বো. '১৭; ঘ. বো.

১৬; চ. বো. '১৬]

আজ সাদা মেঘে আকাশ ছেয়ে গেছে। হঠাৎ গুঁড়ি গুঁড়ি বৃষ্টি শুরু হলো। সাবিত ভাঙ্গা ছাতা দিয়ে বৃষ্টি ঠেকানোর বৃথা চেষ্টা করছিল। তার বেখেয়ালি মন হালকা বৃষ্টি আর মৃদু হওয়ায় অস্থির হয়ে উঠল।

উত্তর : বিশেষণ : সাদা, গুঁড়ি গুঁড়ি, ভাঙ্গা, বৃথা, বেখেয়ালি, হালকা, মৃদু।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে সর্বনাম পদ খুঁজে বের কর। [রা. বো. ১৬]

কবি কাজী নজরুলের জীবনের পরিণাম অত্যন্ত করুণ। মন্তিক্ষের পক্ষাঘাতে আক্রান্ত হয়ে ১৯৪২ সাল থেকেই তিনি ছিলেন জীবিত থেকেও মৃত। দীর্ঘকাল তিনি ছিলেন

নির্বাক ও ভাবশূন্য। ১৯৭৬ সালে কবির জীবনপ্রদীপ নির্বাপিত হলে তাঁর সমাধি রচিত হয় ঢাকা বিশ্ববিদ্যালয়ের মসজিদ প্রাঙ্গণে। গানে তিনি এ আশা ব্যক্ত করেছিলেন, “মসজিদেরই পাশে আমায় কবর দিয়ো ভাই।” তাঁর সে ইচ্ছা পূর্ণ হয়েছে।

উত্তর : সর্বনাম : তিনি, তিনি, তাঁর, তিনি, তাঁর।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে ক্রিয়া বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর। [কু. বো. ১৬]

বাবা সকালে দ্রুত বেরিয়ে গেছেন। তখন টিপটিপ বৃষ্টি পড়ছিল। ঘরে বসে একমনে টিভি দেখছিল ছোট বোন। এসময় কেউ টিভিতে গুনগুনিয়ে গান করছিল। হঠাৎ বাবা এসে বললেন, তাঁর চশমাটা চট করে খুঁজে দিতে।

উত্তর : ক্রিয়া বিশেষণ : দ্রুত, টিপটিপ, একমনে, গুনগুনিয়ে, চট করে।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে বিশেষণ পদ খুঁজে বের কর। [সি. বো. '১৬]

সকালে মা তার ঘুমন্ত শিশুকে জাগিয়ে গরম দুধ খাওয়ালেন। এরপর আড়াই বছরের অবুৰা শিশুটিকে নিয়ে বাগানে লাল লাল ফুল দেখালেন। সদ্যোজাত ফুলগুলো ছিল চমৎকার। ঝকঝকে রোদে পরিবেশও ছিল সুখকর।

উত্তর : বিশেষণ : ঘুমন্ত, গরম, অবুৰা, লাল লাল, চমৎকার, ঝকঝকে।

→ নিম্নলিখিত অনুচ্ছেদ থেকে ক্রিয়াপদ খুঁজে বের কর। [দি. বো. '১৬]

“এতদিন যে প্রতি সন্ধ্যায় আমি বিনুদাদার বাড়িতে গিয়া তাঁহাকে অস্ত্রি করিয়া তুলিয়াছিলাম। বিনুদার বর্ণনার ভাষা অত্যন্ত সংকীর্ণ বলিয়াই তাঁর প্রত্যেক - কথাটি স্ফুলিঙ্গের মতো আমার মনের মাঝখানে আগুন জ্বালিয়া দিয়াছিল। বুঝিয়াছিলাম মেয়েটির রূপ বড়ো আশ্চর্য; কিন্তু না দেখিলাম তাহাকে চোখে, না দেখিলাম তাহার ছবি, সমস্তই অস্পষ্ট হইয়া রহিল।

উত্তর : ক্রিয়াপদ : তুলিয়াছিলাম, দিয়াছিল, বুঝিয়াছিলাম, দেখিলাম, দেখিলাম, রহিল।

'পরি' উপসর্গযোগে চারটি শব্দ: পরি + নাম = পরিণাম; পরি + ত্যাগ = পরিত্যাগ;

পরি + শোধ = পরিশোধ; পরি + বর্তন পরিবর্তন।

'প্রতি' উপসর্গযোগে চারটি শব্দ : প্রতি + বাদ = প্রতিবাদ; প্রতি + শোধ = প্রতিশোধ;

প্রতি + ক্ষণ = প্রতিক্ষণ; প্রতি + উপকার = প্রত্যুপকার।

নিচের শব্দগুলোর ব্যাসবাক্যসহ সমাসের নাম লেখ

১। অনতিবৃহৎ [দি. বো. '২২; ঢা. বো. '০৮, '০৫; রা. বো. '১৫; কু. বো. '০৮; চ. বো. '০৯, '০৭]

নয় অতি বৃহৎ - নএও তৎপুরূষ

২। অনাশ্রিত [সি. বো. '২২, '১৬, '১৩, '০৬, '০৮; ঢা. বো. '১৪, '০৯; য. বো. '১৯, ০৭; কু. বো. '১৭, ০৮, ০৩; চ. বো. '০৩; ব. বো. '০৭; দি.বো. ১৬]

নয় আশ্রিত - নএও তৎপুরূষ

৩। রাজপথ [সকল বোর্ড '১৮; রা. বো. ২৩, ১৬, ১৪; ঢা. বো. ১৩, ১১; সি. বো. ২৩, ১২, ০৮; ব. বো. ১২; দি. বো. ০৯]

পথের রাজা - ষষ্ঠী তৎপুরূষ

৪। অল্পপ্রাণ [ঢা. বো. '০৩; রা. বো. '১৫; ঢা. বো. '০৬; সি. বো. '১০; ব. বো. '০৭]

অল্প প্রাণ যার - বহুবীহি সমাস

৫। অবিশ্বাস্য [য. বো. '১০, কু. বো. '০৮; ঢা. বো. '০৭]

নয় বিশ্বাসযোগ্য যা - নএও বহুবীহি

৬। অনাচার [কু. বো. '১২; সি. বো. '১০, '০৮; দি. বো. '১৩]

ন আচার - নএও তৎপুরূষ

৭। অনেক [ঢা. বো. '০৭; য. বো. '১৩, দি. বো. '১২, '০৯]

নয় এক - নএও তৎপুরূষ

৮। আমরা [ম. বো. '২২; ঢ. বো. '১২, '১০, '০৬; রা�. বো. '১৪, '০৫; ঘ. বো. '১৯; কু. বো. '১৫, '১০, '০৭; সি. বো. '১৬ '০৮, '০৪; দি. বো. '১৫]

তুমি, আমি ও সে - নিত্য সমাস/বহুপদী দ্বন্দ্ব

৯। আলুনি [দি. বো. '২২, '১৬; ম. বো. '২২; ঢ. বো. '১৪; সি. বো. '১১; ঘ. বো. '১১]

নুনের অভাব - অব্যয়ীভাব

১০। আয়কর [ঢ. বো. ১৯, ১৪; ঘ. বো. ১৪, ০৯; কু. বো. ১০, ০৭; সি. বো. ১৬, ১১, ০৯, ০৬; ব. বো. ১৫, ১০; দি. বো. ১৬, ১৫, ১৩]

আয়ের ওপর ধার্য কর - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

১১। অপর্যাপ্ত [ঘ. বো. '১৫; কু. বো. '১১; ব. বো. '০৮]

নয় পর্যাপ্ত - নএও তৎপুরুষ

১২। আমকুড়ানো [ঢ. বো. ১১; ঘ. বো. ১১; কু. বো. ০৫, ০৩; ব. বো. ১০]

আমকে কুড়ানো - দ্বিতীয়া তৎপুরুষ

১৩। আশীবিষ [সকল বোর্ড '১৮; রাব. বো. ০৮]

আশীতে বিষ যার - বহুবীহি

১৪। আমরণ [রাব. বো. ১৭; চ. বো. ১৯]

মরণ পর্যন্ত - অব্যয়ীভাব

১৫। আরক্তিম [রাব. বো. ১৯; ব. বো. '১৪; দি. বো. '১৪]

সৈষৎ রক্তিম - অব্যয়ীভাব

১৬। ইন্দ্রজিৎ [রাব. '১৭, '১২, '০৮; চ. বো. ১৬]

ইন্দ্রকে জয় করেছে যে - উপপদ তৎপুরুষ

১৭। উপজেলা [দি. বো. '২২; রাব. বো. ১১, ০৩; ঘ. বো. '০৭; কু. বো. '১৫, ১৪, ১১; চ. বো. ১১, '০৬; সি. বো. ১২, ব. বো. ১২]

জেলার সদৃশ - অব্যয়ীভাব

১৮। উদ্বেল [দি. বো. '২২, '১৭; সকল বোর্ড '১৮; কু. বো. ১০; চ. বো. ১৫, ১৪; সি. বো. ০৮]

বেলাকে অতিক্রান্ত - অব্যয়ীভাব

১৯। উর্ণনাভ [ঢা. বো. ১০; কু. বো. '১৭; চ. বো. '১৭, '১৬]

উর্ণা নাভিতে যার - ব্যধিকরণ বহুবৰ্ণীহি

২০। কচুকাটা [ঢা. বো. '০৮; রা. বো. ১১; য. বো. '০৭; কু. বো. ১৪; '০৬]

কচুকে কাটা - দ্বিতীয়া তৎপুরূষ

২১। কোলাকুলি [ঢা. বো. '১৬; য. বো. '০৯; সি. বো. ১৪; ব. বো. ১২, '১১, '০৯, ০৮]

কোলে কোলে যে মিলন - ব্যতিহার বহুবৰ্ণীহি

২২। কুসুমকোমল [ঢা. বো. '১৫; রা. বো. ১০; কু.বো. '১৩; চ. বো. ১৫, ১৩ ব. বো. '০৯, '০৮]

কুসুমের ন্যায় কোমল - উপমান কর্মধারয়

২৩। কানাকানি [ঢা. বো. ১৪; চ. বো. ১১; সি. বো. ১২, '০৮, ০৮]

কানে কানে যে কথা - ব্যতিহার বহুবৰ্ণীহি

২৪। কাজলকালো [ঢা. বো. '১৯; কু. বো. '১৭, ১৪; সি. বো. '০৭]

কাজলের ন্যায় কালো - উপমান কর্মধারয়

২৫। কালান্তর [ঢা. বো. '২২; রা. বো. '১৬; চ. বো. '১৭, '০৮; সি. বো. ১১, ১০]

অন্য কাল - নিত্য সমাস

২৬। গৃহকঞ্জী [য. বো. ১১; কু. বো. ০৬; দি. বো. ১৫]

গৃহের কঠী - ষষ্ঠী তৎপুরুষ

২৭। গৃহান্তর [দি. বো. '২২; ঘ. বো. '০৬; সি. বো. ১৩, ১০, '০৮]

অন্য গৃহ - নিত্য সমাস

২৮। গৃহস্থ [ঢা বো. ১১; রা. বো. '০৫; ঘ. বো. ১৬; কু. বো. '১৯, '১৩]

গৃহে সে অস্ত (স্থায়ী) - উপপদ তৎপুরুষ

২৯। গন্ধপ্রেমিক [ঢা. বো, '০৪; ঘ. বো. ১০; কু. বো, '০৫, '০৩]

গন্ধ প্রেমিক যে - কর্মধারয়

৩০। গাছপাকা [ঢা. বো '০৫; ঘ.বো, '০৫; চ. বো, '১৪, ১১; সি. বো, '১৪]

গাছে পাকা - সপ্তমী তৎপুরুষ

৩১। গ্রামান্তর [সি. বো. '১১, '০৮; দি. বো. '১৫]

অন্য গ্রাম - নিত্য সমাস

৩২। গলাগলি [রা. বো, ১০; সি. বো. ১৫]

গলায় গলায় যে ভাব - ব্যতিহার বহুবীহি

৩৩। গায়েহলুদ [রা. বো. ১০; দি. বো. ১৫, '১৪]

গায়ে হলুদ দেওয়া হয় যে অনুষ্ঠানে- বহুবীহি

৩৪। গণতন্ত্র [কু. বো. ১৯; সি. বো. ০৯]

গণের তন্ত্র - ষষ্ঠী তৎপুরুষ

৩৫। গুণমুঞ্জ [সি. বো. ১৬; দি. বো. ১৯]

গুণ দ্বারা মুঞ্জ - তৃতীয়া তৎপুরুষ

৩৬। চন্দ্ৰচূড় [রা, বো, '০৬; নি. বো. ১৯]

চন্দ্ৰ চূড়ায় যার - বহুবীহি

৩৭। চৌরাস্তা [ঢ. বো, '০৫; রা. বো. ০৩ য. বো, ০৫; চ. বো. ০৯]

চার রাত্তার সমাহার - দ্বিতীয়

৩৮। চিরসুখী [ঢ. বো.'১৯; য. বো. ১৬, '০৬; চ. বো. ১১]

চিরকাল ব্যাপী সুখী - দ্বিতীয় তৎপুরূষ

৩৯। জ্যোৎস্নারাত [ঢ. বো. ০৯; য. বো. ১১; কু. বো, '০৫, ০৩; চ. বো, '০৯, '০৬; সি. বো, '১৩, ০৫; দি. বো. ১৫, ১০]

জ্যোৎস্না স্নাত রাত - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

৪০। জীবন-প্রদীপ [য. বো. '০৭, '০৮; চ. বো, '০৬, ০৩; সি. বো. ০৬; ব. বো. '০৭, '০৩; দি. বো. '১৫]

জীবন রূপ প্রদীপ - রূপক কর্মধারয়

৪১। জনমানব [ঢ. বো. ০৬, ০৮; কু. বো. ০৯, ০৭, ০৫, ০৩, চ.বো, ০৬, ০৩; সি. বো, '০৫; ব. বো. ১২, ০৭, ০৩, দি. বো ১২]

জন ও মানব - দ্বন্দ্ব

৪২। জনাকীর্ণ [ঢ. বো. '০৮; য. বো. ১০; কু. বো, '১২; চ. বো. ১৫, '১৪]

জন দ্বারা আকীর্ণ - তৃতীয় তৎপুরূষ

৪৩। জয়মুকুট [ঢ বো. ১২; য. বো. ১২, ০৭; চ. বো. ১৪, ১২]

জয় লক্ষ মুকুট - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

৪৪। জাদুকর [কু. বো. '০৬; সি. বো. ১৩, ০৮; ব. বো. ১১; দি বো, '১৫]

জাদু করে যে - উপপদ তৎপুরূষ

৪৫। তেপায়া [ঢ. বো. '২২, '১৫, '০৯, '০৬; কু. বো. ১৪; ব. বো. ০৩ দি. বো. '২২]

তিন পায়া যার - বহুবীহ

৪৬। তপোবন [ঢ. বো. '০৬, ০৩; রা. বো. ১৫, ১২, ০৭, '০৮; য. বো. ১০; কু. বো, '১৯, ০৮, ০৬, ০৮; চ. বো. '০৭; সি. বো. ১৪; ব. বো. '০৬; দি. বো '১১]

তপের নিমিত্তে বন - নিমিত্তার্থে চতুর্থী তৎপুরূষ

৪৭। তেপান্ত্র [ঢ. বো. ১৬, ১১, ০৭; রা. বো. ১৩, ১১, ০৮; য. বো. ১১, ০৮; ব. বো, ১৫; সি. বো. ১৪; দি. বো. ১৪]

তিনি প্রান্তরের সমাহার - দ্বিতীয়

৪৮। ত্রিলোক [য. বো. '০৯; কু.বো. ১১; চ. বো. ০৮; সি. বো. ১২; দি. বো. '১৩]

তিনি লোকের সমাহার - দ্বিতীয়

৪৯। ত্রিফলা [রা. বো. '০৮; য. বো. ০৭; কু. বো. ১০; চ. বো. '১৭; সি. বো, '১৪]

তিনি ফলের সমাহার - দ্বিতীয়

৫০। তিমিরবিদারী [রা. বো. ০৯; য. বো. ১২, ১১; সি. বো. ১১]

তিমির বিদীর্ণ করে যে - বহুবীহি

৫১। দেশপলাতক [য. বো. '০৫; কু. বো, '০৮, ০৩; চ. বো, '০৬]

দেশ থেকে পলাতক - পঞ্চমী তৎপুরূষ

৫২। দেশভঙ্গ [ঢ. বো, '১২; ব. বো. ০৮]

দেশকে ভঙ্গ - দ্বিতীয়া তৎপুরূষ

৫৩। দম্পতি [দি. বো. '২২'১৭, ১৪, ১১; ঢ. বো. '০৭; রা. বো. ০৮, ০৩; য. বো. ১৬, ১৫, '০৮; চ. বো, '০৬; সি. বো. ১৫, '১৪, ০৭; ব. বো, '১৫, ০৯]

জায়া ও পতি - দ্বন্দ্ব

৫৪। দেশান্তর [ঢ. বো. '১৯, ১৩, ১১; রা. বো. ১৫; কু. বো, ১৪, ১০, ০৮; চ. বো. ১১; নি. বো. '০৯]

অন্য দেশ - নিতি সমাস

৫৫। ধর্মঘট [ঢা. বো. ১০; কু. বো. ১০, ০৭; চ. বো. ১৭; সি. বো. ০৬]

ধর্ম রক্ষার্থে ঘট - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

৫৬। নবপৃথিবী [রা. বো. '১৫, '১৩, ১১; য. বো. ১২; কু. বো. ০৯; চ. বো. '০৬; দি. বো. ১৬, ১৫, '০৯]

নব যে পৃথিবী - কর্মধারয়

৫৭। নবযৌবনা/নবযৌবন [চ. বো. ০৮; সি. বো. ১৫, ১০, ব. বো. ০৮, '০৬]

নব যে যৌবন - কর্মধারয়

৫৮। নদীমাতৃক [রা. বো. '১৭; য. বো. '১৯, '১৬; চ. বো. ১৯; সি. বো. ০৭; দি. বো. ১৭]

নদী মাতা যার - বহুবীহি

৫৯। নবরত্ন [য. বো. ১৫; কু. বো. ১৯; ব. বো. ১৯]

নব রত্নের সমাহার - দ্বিগু

৬০। প্রাণভয় [রা. বো. '০৮, '০৮; কু. বো. '০৬; চ. বো. '০৭; সি. বো. '১৪; ব. বো. '০৮]

প্রাণের ভয় - ষষ্ঠী তৎপুরূষ

৬১। পকেটমার [ঢা. বো. '০৬; রা. বো. '১৫, '০৮; কু. বো. '১১; চ. বো. '১৯, '০৭; সি. বো. '১৭, ১২, '০৮, ০৮; বো. ১৬, '৩৪; দি. বো. '১২]

পকেট মারে যে - উপপদ তৎপুরূষ

৬২। প্রগতি [ঢা. বো. '১১, '০৯; রা. বো. '১৪; কু. বো. '১৪, ০৬; চ. বো. ১৭, ১২, ০৮; সি. বো. ১০; ব. বো. '০৮]

প্র (প্রকৃষ্ট রূপে) যে গতি - প্রাদি সমাস

৬৩। প্রিয়ংবদা [ঢা. বো, '১০, '০৬, ০৩; রা. বা. '০৯, ০৩; য.বো, '০৮; কু. বো. '০৬; ব. বো. '০৯ '০৬]

প্রিয় (প্রিয়) বাক্য বলে যে রমণী - কর্মধারয়

৬৪। পুস্পসৌরভ [ঢা. বো. ১২; রা. বো, ০৭; কু বো ০৩; ব. বো, '০৭, ০৩; দি বো, '১৯, '১৩, '০৯]

পুস্পের সৌরভ - ষষ্ঠী তৎপুরুষ

৬৫। প্রভাত [ঢা. বো. '২২; কু. বো. ১১; চ. বো, '০৯; সি. বো. ১১, '০৭]

প্র (প্রকৃষ্টরূপে) ভাত - প্রাদি সমাস

৬৬। প্রবচন [রা. বো. '১৯; য.বো. '১৬; ব. বো. ১১; দি. বো. ১৪]

প্র (প্রকৃষ্ট) যে বচন - প্রাদি সমাস

৬৭। পক্ষজ [রা. বো. '১৯, '১৬; কু. বো. '১৫; ব. বো. '১২]

পক্ষে জন্মে যা - উপপদ তৎপুরুষ

৬৮। ফুলকুমারী [ঢা. বো. '১০; চ. বো, '১৬, '১৩; ব. বো. ১২]

কুমারী ফুলের ন্যায় - উপমিত কর্মধারয়

৬৯। বাক্যান্তর [ঢা. বো. '০৬; কু. বো. ১৩; চ. বো. ১৫; সি. বো. '১৭; দি. বো, '১২]

বাক্যের পরিবর্তন/ অন্তর/ অন্য বাক্য - নিত্য সমাস

৭০। বিষাদসিদ্ধি [রা. বো. ১৩, ০৪; সি. বো. ১৪, '০৯; ব. বো. ১৯]

বিষাদ রূপ সিদ্ধি - রূপক কর্মধারয়

৭১। বিমনা [ঢা. বো '০৭; কু. বো, '১৯ দি. বো, '০৯]

বি (নাই) মন যার - নএও বহুবীহি

৭২। বজ্রকঠোর [য. বো. '১৫; কু. বো. '১৭; সি. বো. ১৬; চ. বো. ১১]

বজ্রের ন্যায় কঠোর - উপমান কর্মধারয়

৭৩। বনমধ্যে [ঢ. বো. ০৩; য. বো. '০৭, '০৫]

বনের মধ্যে - ষষ্ঠী তৎপুরূষ

৭৪। বেওয়ারিশ [ঢ. বো. '০৮, '০৮; রা. বো. ১৩; য. বো. ১০, '০৮; কু. বো. '০৯; চ. বো. '০৩]

নেই ওয়ারিশ যার - নএও বহুবীহি

৭৫। বাকবিতগ্নি [ঢ. বো. '০৯, রা. বো. '১৪, '০৭; কু. বো. '১৩; চ. বো. '০৯; ব. বো. '০৮]

বাক দ্বারা বিতগ্নি - তৃতীয়া তৎপুরূষ

৭৬। বিরানবহই [কু. বো. ১২; চ. বো. ১০]

দুই এবং নবহই - নিত্য সমাস

৭৭। বীণাপাণি [ঢ. বো. ১৪; রা. বো. '১৪]

বীণা পাণিতে যার - বহুবীহি

৭৮। বিশালাক্ষ্মী [ঢ. বো. ১৯; সি. বো. ১৭]

বিশাল অক্ষি যার - বহুবীহি

৭৯। ভবনদী [রা. বো. '১৬; কু. বো. '১৭; চ. বো. '১৯, '১৫]

ভব রূপ নদী - রূপক কর্মধারয়

৮০। মোহনিদ্রা [ঢ. বো. '১৫, '০৮', রা. বো. '০৬; য. বো. ১২, ১১, ০৫; কু. বো. '১৩, '০৮, '০৮; চ. বো. ১০; সি. বো. ১৫, ১৩, ১০, ব. বো. ১৫; দি. বো. ১০]

মোহ রূপ নিদ্রা - রূপক কর্মধারয়

৮১। মেঘলুণ্ঠ [ঢ. বো. ১২, '০৫; কু. বো, '১২; সি. বো. ১৫, ১০; দি. বো '১১]

মেঘ দ্বারা লুণ্ঠ - তৃতীয়া তৎপুরূষ

৮২। মিঠাকড়া [চ. বো. ১৪; সি. বো. '১৫, ১৩, ০৮; ব. বো, '০৯]

যা মিঠা তাই কড়া - কর্মধারয়

৮৩। মনগড়া [রা. বো, '০৮; য. বো. ১০; কু. বো. ১২; চ. বো. ০৭]

মন দিয়ে গড়া - তৃতীয়া তৎপুরূষ

৮৪। মন্দভাগ্য [রা. বো. '১৫, '১৩; কু. বো. ০৯, ০৩; ব. বো, '০৮, ০৩; দি. বো.

১০]

মন্দ ভাগ্য যার - বহুবীহি

৮৫। মুখচন্দ্র [ঢ. বো, '১৯; কু. বো, '১০; ব. বো. ১১]

মুখ চন্দ্রের ন্যায় - উপমিত কর্মধারয়

৮৬। যথারীতি [ঢ. বো, '০৫; রা. বো. ১২, '০৫; সি. বো. ১৪, ০৯; দি. বো. ১১]

রীতিকে অতিক্রম না করে - অব্যয়ীভাব

৮৭। যৌবনসূর্য [ঢ. বো. ১১, '০৯; রা. বো. ১৫, ১২, '০৯, ০৩, কু. বো. ১২, ০৭,

০৫; চ. বো. ১২, '০৯; সি. বো. ০৭; ব. বো. ১০; দি. বো. ১১]

যৌবন রূপ সূর্য - রূপক কর্মধারয়

৮৮। যথাসাধ্য [ঢ. বো. ০৪; য. বো, ১০, কু. বো. ১২; সি. বো. ১৫, ১০, ১০; দি.

বো. '১৩]

সাধ্যকে অতিক্রম না করে - অব্যয়ীভাব

৮৯। যথেষ্ট [য. বো, '১৪; চ. বো. '১৭, '১৫; সি. বো. '১৬]

ইষ্টকে অতিক্রম না করে - অব্যয়ীভাব

৯০। যুগান্তর [ঢ. বো. ১৪; য. বো. ১৯, ১৬, ১৪; চ. বো. ১৫]

অন্য যুগ - নিত্য সমাস

৯১। যথাবিধি [ঢ. বো. '১৯; ব. বো. ০৯, ০৮]

বিধিকে অতিক্রম না করে - অব্যয়ীভাব

৯২। অক্ষত [ঢ. বো. '১২, '১০; য. বো. '১১; কু. বো. '০৯, '০৬]

নয় ক্ষত - নএও তৎপুরূষ

৯৩। রাজহংস [ঢ. বো. ১১; রাব. বো. '০৫; চ. বো. ১৯; ব. বো. '০৯]

হংসের রাজা - ষষ্ঠী তৎপুরূষ

৯৪। রাজনীতি [কু. বো. '১৫; চ. ১৫; সি. বো. ১৬, ০৭; দি. বো. '১৬]

রাজার নীতি - ষষ্ঠী তৎপুরূষ

৯৫। রক্তারক্তি [ঢ. বো. '০৯; য. বো. ০৮; দি. বো. ১২]

রক্তপাত করে যে যুদ্ধ - ব্যতিহার বহুবীহি

৯৬। শতাব্দী [রাব. বো. '১৩, '০৬; কু. বো. '০৭; চ. বো. ১২; সি. বো. ১১; ব. বো. '১৯]

শত অন্দের সমাহার - দ্বিগু

৯৭। শিক্ষামন্ত্রী [রাব. বো. ১২; য. বো. ১১; চ. বো. ১২]

শিক্ষা বিষয়ক মন্ত্রী - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

৯৮। সহোদর [য. বো. '১৯; কু. বো. ১৫; সি. বো. ০৯; দি. বো. '১৬]

সমান উদর যাদের - বহুবীহি

৯৯। সাত-সতের [ঢ. বো. '১৯, ১১; রাব. বো. ১৭; চ. বো. ১০; সি. বো. ০৯]

সাত ও সতের - দ্বন্দ্ব

১০০। সেতার [সি. বো. ১৩]

সে (তিন) তার যে যন্ত্রের - দ্বিগু

১০১। সপ্তাহ [ঢ. বো. ১২; সি. বো, '০৭; দি. বো, '১২]

সপ্ত অহের সমাহার - দ্বিগু

১০২। সুহৃদ/সুহৃদয় [ঢ. বো. '০৯; সি. বো. '০৬; দি. বো. '১৩]

সুন্দর হৃদয় যার - বহুবীহি

১০৩। সিংহাসন [ঢ. বো. '২২; রা বো. ১৩, '০৮; য. বো. ১০; চ. বো. '০৭; সি. বো. ১২, '০৮]

সিংহ চিহ্নিত আসন - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

১০৪। সন্ধ্যাপ্রদীপ [ঢ. বো. '০৮; য. '১০; কু. '০৮; চ. '০৭]

সন্ধ্যায় জ্বালানো হয় যে প্রদীপ - মধ্যপদলোপী কর্মধারয়

১০৫। সলিল-সমাধি [ঢ. বো, '১৪, '০৮; য. বো. ১২; সি. বো. ১১; ব. বো, '১৯, '১১]

সলিলে সমাধি - সপ্তমী তৎপুরুষ

১০৬। সৈন্য-সামন্ত [ঢ. বো. ১২, ০৯; য. বো. '১৯, ১২, ১১; চ. বো. ১৬]

সৈন্য ও সামন্ত - দ্বন্দ্ব

১০৭। সপ্তর্ষি [ঢ. বো. '১৯, ১০; রা. '১৪; কু. ১৪; য. বো. '১৯, '১৩; চ. বো. '১৯; সি. বো. '১৫; দি. বো. '১৭, '১৬]

সপ্ত ঋষির সমাহার - দ্বিগু

১০৮। সপ্তডিঙ্গা [ঢ. বো, '১৪; সি. বো, '১৭]

সপ্ত ডিঙ্গির সমাহার - দ্বিগু

১০৯। হাসাহাসি [রা. বো, '১৩; য. বো. '০৬; কু. বো, ১০; চ. বো, '০৯; ব. বো. ১৫,
১০; সি. বো.. '১৪]

হাসতে হাসতে যে ক্রিয়া - ব্যতিহার বহুবীহি

১১০। হাতাহাতি [রা. বো, '১২; সি. বো, '০৫]

হাতে হাতে যে যুদ্ধ - ব্যতিহার বহুবীহি

১১১। হাভাত [ঢ. বো. ১৩; য. বো. ১৩, কু. বো. ১০, '০৮]

ভাতের অভাব - অব্যয়ীভাব

১১২। হিতাহিত [রা. বো. '১৬, য. বো, '১৪, ০৯, চ. বো. ১৭]

হিত ও অহিত - দ্বন্দ্ব

১১৩। হাতে পায়ে [কু. বো. ১৩, চ. বো, '১৭; সি. বো. ১৫; দি. বো. ১০]

হাতে ও পায়ে - অলুক দ্বন্দ্ব

১. দুই বা তারও বেশি সরল বা জটিল বাক্য সংযোজক বা বিয়োজক অব্যয় দ্বারা যুক্ত হয়ে একটি দীর্ঘ বাক্য গঠন করলে তাকে যৌগিক বাক্য বলে। যেমন— সে দরিদ্র, কিন্তু তার মন ছোট নয়।
২. একটি যৌগিক বাক্যে একাধিক কর্তা এবং ক্রিয়া থাকে।
৩. যৌগিক বাক্য সব সময় সংযোজক বা বিয়োজক অব্যয় দ্বারা সংযুক্ত থাকে।
৪. যৌগিক বাক্য মূলত একাধিক সরল বা জটিল বাক্যের সমন্বয়ে গঠিত হয়।

নির্দেশ অনুসারে বাক্য রূপান্তর কর।

প্রশ্ন: জাদুঘর আমাদের আনন্দ দেয়। (প্রশ্নবোধক) [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: জাদুঘর আমাদের আনন্দ দেয় না কি?

প্রশ্ন: ধনীর কন্যা তার পছন্দ নয়। (অন্তিবাচক) [ঢ. বো. ১৯; ঘ. বো. ১৯; কু. বো. ১৭]

উত্তর: ধনীর কন্যা তার অপছন্দ।

প্রশ্ন: আমরা পৌঁছে খবর পেলাম জাহাজ ছেড়ে চলে গেছে। (জটিল) [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: যখন আমরা পৌছলাম তখন খবর পেলাম জাহাজ ছেড়ে চলে গেছে।

প্রশ্ন: যারা দেশপ্রেমিক তারা দেশকে ভালোবাসে। (সরল) [ঢ. বো. ১৯; দি. বো. ১৬]

উত্তর: দেশপ্রেমিকরা দেশকে ভালোবাসে।

প্রশ্ন: এ কথা স্বীকার করতেই হয়। (নেতিবাচক) [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: এ কথা স্বীকার না করলেই নয়।

প্রশ্ন: জীবে দয়া করা উচিত। (অনুজ্ঞাবাচক) [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: জীবে দয়া কর।

প্রশ্ন: সূর্যোদয়ে অঙ্ককার দূর হয়। (যৌগিক) [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: সূর্যোদয় হয় এবং অঙ্ককার দূর হয়।

প্রশ্ন দেশকে ভালোবেসে শত শহিদ জীবন উৎসর্গ করেছেন। (প্রশ্নবাচক) [রা. বো, '১৯]

উত্তর: দেশকে ভালোবেসে শত শহিদ কি জীবন উৎসর্গ করেননি?

প্রশ্ন ইহাদের ন্যায় রূপবতী রমণী আমার অন্তঃপুরে নাই। (জটিল) [রা. বো. '১৯]

উত্তর: ইহারা যেমন রূপবতী রমণী তেমন আমার অন্তঃপুরে নাই।

প্রশ্ন জননী ও জন্মভূমি কি স্বর্গের চেয়েও প্রিয় নয়? (নির্দেশাত্ত্বক) [রা. বো. '১৯]

উত্তর: জননী ও জন্মভূমি স্বর্গের চেয়েও প্রিয়।

প্রশ্ন একেই কি বলে সভ্যতা? (নেতিবাচক) [রা. বো. ১৯]

উত্তর: একে সভ্যতা বলে না।

প্রশ্ন শন্ত্রুনাথ এ কথায় একেবারে যোগই দিলেন না। (অস্তিবাচক) [রা. বো. ১৯; চ. বো. ১৭]

উত্তর: শন্ত্রুনাথ এ কথায় যোগ দেওয়া থেকে একেবারেই বিরত থাকলেন।

প্রশ্ন যা বার্ধক্য, তাকে সবসময় বয়সের ফ্রেমে বাঁধা যায় না। (সরল) [রা. বো, '১৯; চ. বো. ১৬; দি. বো. ১৭]

উত্তর: বার্ধক্যকে সবসময় বয়সের ফ্রেমে বাঁধা যায় না।

প্রশ্ন ভুলগুলো এখনই সংশোধন করতে বলছি। (অনুজ্ঞাবাচক) [রা. বো. ১৯]

উত্তর: ভুলগুলো এখনই সংশোধন করো।

প্রশ্ন যে লোক চরিত্রহীন, সে পশুর চেয়ে অধম। (সরল) [রা. বো. ১৭; ঘ. বো. ১৯]

উত্তর: চরিত্রহীন লোক পশুর চেয়েও অধম।

প্রশ্ন পরশমণির বয়স হইলেও শিক্ষা হয় নাই। (যৌগিক) [রা. বো. ১৯]

উত্তর: পরশমণির বয়স হইয়াছে কিন্তু শিক্ষা হয় নাই।

প্রশ্ন বিদ্঵ান হলেও তাঁর অহংকার নেই। (যৌগিক) [রা. বো. '১৭; ঘ. বো. '১৯, ১৬; কু. বো. ১৯; সি. বো. ১৭; দি. বো. ১৭]

উত্তর: তিনি বিদ্঵ান অথচ তাঁর অহংকার নেই।

প্রশ্ন তিনি ধনী ছিলেন, কিন্তু সুখী ছিলেন না। (জটিল) [রা. বো. ১৭; ঘ. বো. '১৯]

উত্তর: যদিও তিনি ধনী ছিলেন তবুও সুখী ছিলেন না।

প্রশ্ন যদি পরিশ্রম কর, তাহলে ফল পাবে। (যৌগিক) [রা. বো. ১৭; য. বো. ১৯]

উত্তর: পরিশ্রম কর তবে ফল পাবে।

প্রশ্ন মানুষ মরণশীল। (নেতিবাচক) [রা. বো. ১৭; ব. বো. ১৯]

উত্তর: মানুষ অমর নয়।

প্রশ্ন বাংলাদেশ একটি উন্নয়নশীল দেশ। (প্রশ্নবোধক) [রা. বো. ১৭, য. বো. ১৯]

উত্তর: বাংলাদেশ একটি উন্নয়নশীল দেশ নয় কি?

প্রশ্ন ছিঃ এ তো ভারি লজ্জার কথা। (বিশ্বয়বাচক) [য. বো. ১৯]

উত্তর: ছি! এটি কী লজ্জার কথা!

প্রশ্ন ঠাটার সম্পর্কটাকে স্থায়ী করিবার ইচ্ছা আমার নাই। (জটিল) [কু. বো. ১৯]

উত্তর: যে সম্পর্কটা ঠাটার সেটা স্থায়ী করিবার ইচ্ছা আমার নাই।

প্রশ্ন আমি আশায় রইলাম। (অস্তিবাচক) [কু. বো. ১৯]

উত্তর: আমি আশা ছাড়িতে অপারগ হইলাম।

প্রশ্ন স্বল্পপ্রাণ, স্তুলবুদ্ধি ও জবরদস্তিপ্রিয় মানুষে সংসার পরিপূর্ণ। (নেতিবাচক) [কু. বো. ১৯]

উত্তর: স্বল্পপ্রাণ, স্তুলবুদ্ধি ও জবরদস্তিপ্রিয় মানুষে সংসার অপরিপূর্ণ নয়।

প্রশ্ন যা বাঙালির আত্মজাগরণ, তা অভিনন্দনের দাবি রাখে। (সরল) [কু. বো. ১৯]

উত্তর: বাঙালির আত্মজাগরণ অভিনন্দনের দাবি রাখে।

প্রশ্ন সদা সত্য কথা বলা উচিত। (অনুজ্ঞা) [কু. বো. ১৯; দি. বো. ১৭]

উত্তর: সদা সত্য কথা বলবে।

প্রশ্ন বাঁশির সুরটি সুমধুর। (বিশ্বয়বোধক) [কু. বো. ১৯]

উত্তর: বাঃ! বাঁশির সুর কী সুমধুর।

প্রশ্ন মানুষ অমর নয়। (অস্তিবাচক) [চ. বো. ১৯]

উত্তর: মানুষ মরণশীল।

প্রশ্ন তিনি দরিদ্র কিন্তু সৎ। (জটিল) [চ. বো. ১৯]

উত্তর: যদিও তিনি দরিদ্র তবুও সৎ।

প্রশ্ন সরস্বতী বর দেবেন না। (প্রশ্নবোধক) [চ. বো. ১৯; য. বো. ১৭, ১৬; দি. বো. ১৭]

উত্তর: সরস্বতী বর দেবেন কি?

প্রশ্ন সে আর ভিক্ষা করে না। (প্রশ্নবোধক) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: সে আর ভিক্ষা করে কি?

প্রশ্ন বাংলাদেশ কি একটি উন্নয়নশীল দেশ নয়? (অস্তিবাচক) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: বাংলাদেশ একটি উন্নয়নশীল দেশ।

প্রশ্ন তোমার এরূপ ব্যবহার অনুচিত। (নেতিবাচক) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: তোমার এরূপ ব্যবহার উচিত নয়।

প্রশ্ন লোকটির সবই আছে, কিন্তু সুখী নয়। (জটিল বাক্য) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: যদিও লোকটির সবই আছে তবুও সে সুখী নয়।

প্রশ্ন আমার এমন কিছু নেই, যা তোমাকে দিতে পারি। (সরল) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: তোমাকে দেওয়ার মতো আমার কিছু নেই।

প্রশ্ন মেঘনা আসামের লুসাই পাহাড় থেকে উৎপন্ন হয়ে সাগরে পড়েছে। (যৌগিক)

[চ. বো. ১৯]

উত্তর: মেঘনা আসামের লুসাই পাহাড় থেকে উৎপন্ন হয়েছে এবং সাগরে পড়েছে।

প্রশ্ন তুমি যা বললে তা অসত্য। (সরল) [চ. বো. ১৯]

উত্তর: তোমার বলা কথাটা অসত্য।

প্রশ্ন সে সুন্দর গান গায়। (বিস্ময়সূচক) [চ. বো. ১৯]

উত্তর: বাঃ! সে কী সুন্দর গান গায়।

প্রশ্ন দুর্জনকে দূরে রাখা উচিত। (অনুজ্ঞা) [চ. বো. ১৯]

উত্তর: দুর্জনকে দূরে রেখো।

প্রশ্ন বিড়ালকে বুঝানো দায় হইল। (নেতিবাচক) [চ. বো. ১৯; সি. বো. ১৬]

উত্তর: বিড়ালকে বুঝানো সহজ হইল না।

প্রশ্ন তারা কি যাবে কোথাও? (অস্তিবাচক) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: তারা কোথাও যাবে না।

প্রশ্ন যিনি জ্ঞানী, তিনি সত্যিকার ধনী। (সরল বাক্য) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: জ্ঞানীই সত্যিকারের ধনী।

প্রশ্ন সূর্যোদয়ে পদ্মফুল ফোটে। (জটিল বাক্য) [সি. বো. ১৯]

উত্তর: যখন সূর্যোদয় হয় তখন পদ্মফুল ফোটে।

প্রশ্ন ধনীরা প্রায়ই কৃপণ হয়। (জটিল) [ব. বো. '১৯; কু. বো. ১৭]

উত্তর: যারা ধনী তারা প্রায়ই কৃপণ হয়।

প্রশ্ন তাদের গ্রামে ফিরিয়া আসা চলে না। (প্রশ্নবোধক) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: তাদের গ্রামে ফিরিয়া আসা চলে কি?

প্রশ্ন আশেপাশে কোনো শব্দ নেই। (অস্তিবাচক) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: আশপাশ একেবারে শব্দহীন।

প্রশ্ন ভাষায় অক্ষরের ভূমিকা গৌণ। (নেতিবাচক) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: ভাষায় অক্ষরের ভূমিকা মুখ্য নয়।

প্রশ্ন কাজ না করলে চলে যাও। (যৌগিক) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: কাজ কর, না হয় চলে যাও।

প্রশ্ন আইন মেনে চলা কর্তব্য। (অনুজ্ঞাবাচক) [ব. বো. '১৯]

উত্তর: আইন মেনে চলো।

প্রশ্ন এ দেশ বড় বিচ্ছিন্ন। (বিস্ময়বোধক) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: বাঃ কী বিচ্ছিন্ন এ দেশ!

প্রশ্ন সত্য কথা বলিনি তাই বিপদে পড়েছি। (সরল) [ব. বো. ১৯]

উত্তর: সত্য কথা না বলে বিপদে পড়েছি।

প্রশ্ন সত্য কথা স্বীকার কর নতুবা শান্তি পাবে। (সরল) [দি বো. '১৯]

উত্তর: সত্য কথা স্বীকার না করলে শান্তি পাবে।

প্রশ্ন ইহারা অন্য জাতের মানুষ। (নেতিবাচক) [দি বো. ১৯]

উত্তর: ইহারা একই জাতের মানুষ নহে।

প্রশ্ন পড়াশুনা কর নচেৎ ভবিষ্যৎ অঙ্ককার। (জটিল) [দি. বো, '১৯]

উত্তর: যদি পড়াশুনা না কর তবে ভবিষ্যৎ অঙ্ককার।

প্রশ্ন হৈম তাহার অর্থ বুঝিল না। (অস্তিবাচক) [দি. বো. ১৯; ঘ. বো. ১৬]

উত্তর: হৈম তাহার অর্থ বুঝিতে অপারগ/ব্যর্থ/অক্ষম হইল।

প্রশ্ন ত্যাগের এ মহিমা অপূর্ব। (বিস্ময়সূচক) [দি. বো, '১৯]

উত্তর: ত্যাগের এ মহিমা কী অপূর্ব!

প্রশ্ন ফুল সকলেই ভালোবাসে। (প্রশ্নবোধক) [চ. বো. '১৭; দি. বো. ১৯]

উত্তর: ফুল সকলেই ভালোবাসে না কি?

প্রশ্ন কাজটা তোমার করা উচিত। (অনুজ্ঞাসূচক) [দি. বো. '১৯]

উত্তর: কাজটা তুমি কর।

প্রশ্ন সাহিত্য জীবনের স্বাভাবিক প্রকাশ। (প্রশ্নবোধক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: সাহিত্য কি জীবনের স্বাভাবিক প্রকাশ নয়?

প্রশ্ন বিপন্নদের সেবা করা কর্তব্য। (অনুজ্ঞাসূচক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: বিপন্নদের সেবা কর।

প্রশ্ন রাঙামাটির প্রাকৃতিক দৃশ্য খুবই চমৎকার। (বিস্ময়বোধক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: বাহ! রাঙামাটির প্রাকৃতিক দৃশ্য কী চমৎকার!

প্রশ্ন অনুষ্ঠানটি আমি উপস্থাপনা করব। (নেতৃত্বাচক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: অনুষ্ঠানটি আমি উপস্থাপনা না করে পারব না।

প্রশ্ন উদারতা কৃপণদের ধর্ম নয়। (অস্তিবাচক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: উদারতা কৃপণদের অধর্ম।

প্রশ্ন আমি বহু কষ্টে শিক্ষালাভ করেছি। (যৌগিক) [দি. বো, '১৯]

উত্তর: আমি বহু কষ্ট করেছি এবং শিক্ষালাভ করেছি।

প্রশ্ন সূর্যোদয়ে অমানিশা কেটে যাবে। (জটিল) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: যখন সূর্যোদয় হবে, তখন অমানিশা কেটে যাবে।

প্রশ্ন যারা সংস্কৃতিবান, তারা শান্তিপ্রিয় হয়। (সরল) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: সংস্কৃতিবানরা শান্তিপ্রিয়।

প্রশ্ন যদিও সে অশিক্ষিত, তবুও সে দেশপ্রেমিক। (যৌগিক) [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: সে অশিক্ষিত কিন্তু দেশপ্রেমিক!

প্রশ্ন মাতৃভূমিকে সকলেই ভালোবাসে। (নেতিবাচক) [ঢা. বো. '১৭; ব. বো '১৬]

উত্তর: মাতৃভূমিকে কে না ভালোবাসে।

প্রশ্ন আমার কেনা বইটি খুব দামি। (জটিল) [ঢা বো. '১৭]

উত্তর: যে বইটি আমার কেনা সেটি খুব দামি।

প্রশ্ন দশ মিনিট পর ট্রেন এলো। (যৌগিক) [ঢা বো. '১৭]

উত্তর: দশ মিনিট পার হলো এবং ট্রেন এলো।

প্রশ্ন কেউ অঙ্গের দুঃখ বুঝাল না। (প্রশ্নবোধক) [ঢা বো. '১৭]

উত্তর: কেউ কি অঙ্গের দুঃখ বুঝাল?

প্রশ্ন পৃথিবী চিরস্থায়ী নয়। (অস্তিবাচক) [ঢা বো. '১৭]

উত্তর: পৃথিবী ক্ষণস্থায়ী।

প্রশ্ন লোকটি অত্যন্ত দরিদ্র। (বিস্ময়সূচক) [ঢা বো. '১৭]

উত্তর: আহা! লোকটি কী দরিদ্র।

প্রশ্ন আমরা নড়লাম না। (অস্তিবাচক বাক্য) [রাব. বো, '১৭]

উত্তর: আমরা অনড় রহলাম।

প্রশ্ন তারা কি পাষাণ? (নেতিবাচক) [য. বো. ১৭]

উত্তর: তারা পাষাণ নয়।

প্রশ্ন ওকে চেনাই যায় না। (অস্তিবাচক) [য. বো. ১৭]

উত্তর: ওকে অচেনা মনে হয়।

প্রশ্ন দেশের সেবা করা উচিত/কর্তব্য। (অনুজ্ঞাবাচক) [ঢা. বো. '১৭; কু. বো. ১৭; চ. বো. ১৭; সি. বো. ১৬; ব. বো. ১৭]

উত্তর: দেশের সেবা করো।

প্রশ্ন যে সত্য কথা বলে, সবাই তাকে ভালোবাসে। (সরল) [ঢা. বো. '১৭]

উত্তর: সত্য কথা বললে সবাই ভালোবাসে।

প্রশ্ন ফুলটি খুব সুন্দর। (বিস্ময়বোধক বাক্য) [রা. বো. ১৭]

উত্তর: বাঃ! ফুলটি কী সুন্দর

প্রশ্ন বিপদে অধীর হতে নেই। (অনুজ্ঞাসূচক) [য. বো. '১৭; ব. বো.'১৬]

উত্তর: বিপদে অধীর হয়ে না।

প্রশ্ন দেশপ্রেমিককে কে না ভালোবাসে। (নির্দেশাত্মক) [য. বো. ১৭]

উত্তর: দেশপ্রেমিককে সবাই ভালোবাসে।

প্রশ্ন যদি সাফল্য চাও তাহলে পরিশ্রম কর। (যৌগিক) [য. বো. ১৭]

উত্তর: সাফল্য চাও তবে পরিশ্রম কর।

প্রশ্ন শিক্ষিত লোককে সবাই শন্দা করেন। (জটিল) [য. বো. ১৭; দিবো, '১৬]

উত্তর: যিনি শিক্ষিত লোক তাকে সবাই শন্দা করেন।

প্রশ্ন দৃশ্যটি বড়ই সুন্দর। (বিস্ময়সূচক) [ঢা. বো. '১৯; য. বো. ১৭, ১৬; দি. বো. ১৭; ব. বো. ১৭]

উত্তর: বাঃ! কী সুন্দর দৃশ্য!

প্রশ্ন এখানে আসতেই হলো। (নেতিবাচক) [ঢা. বো. ১৬; কু. বো. ১৭]

উত্তর: এখানে না এসে পারা গেল না।

প্রশ্ন যদিও সে দরিদ্র তথাপি সে চরিত্রবান। (যৌগিক) [চ. বো. '১৭; কু. বো. '১৭]

উত্তর: সে দরিদ্র কিন্তু চরিত্রবান।

প্রশ্ন এতে দোষ নেই। (প্রশ্নবাচক) [কু. বো. ১৭]

উত্তর: এতে দোষ আছে কী?

প্রশ্ন এটি ভারি লজ্জার কথা। (বিস্ময়বাচক) [কু. বো. '১৭; সি. বো. ১৬]

উত্তর: কী লজ্জার কথা এটি!

প্রশ্ন তোমার দীর্ঘ জীবন কামনা করছি। (প্রার্থনাসূচক) [কু. বো. ১৭]

উত্তর: তুমি দীর্ঘায় হও।

প্রশ্ন আমার পথ দেখাবে আমার সত্য। (জটিল) [কু. বো. ১৭]

উত্তর: যা আমার পথ তা দেখাবে আমার সত্য।

প্রশ্ন যখন মেঘ গর্জন করে তখন ময়ূর নৃত্য করে। (সরল) [চ. বো. '১৭]

উত্তর: মেঘ গর্জন করলে ময়ূর নৃত্য করে।

প্রশ্ন বৃক্ষের দিকে তাকালে জীবনের তাৎপর্য উপলব্ধি সহজ হয়। (নেতিবাচক) [চ. বো. '১৭]

উত্তর: বৃক্ষের দিকে না তাকালে জীবনের তাৎপর্য উপলব্ধি সহজ হয় না।

প্রশ্ন শীতে দরিদ্র মানুষের খুব কষ্ট হয়। (বিস্ময়বাচক) [চ. বো. '১৭, '১৬]

উত্তর: শীতে দরিদ্র মানুষের কী যে কষ্ট!

প্রশ্ন তোমাকে এই খাতায় লিখতে হবে। (অনুজ্ঞাবাচক) [চ. বো. '১৭]

উত্তর: তুমি এই খাতায় লিখবে।

প্রশ্ন দুর্জনকে দূরে রেখো। (নির্দেশক) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: দুর্জন থেকে দূরে থাকবে।

প্রশ্ন সে কথাই এরা ভাবে। (নেতিবাচক) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: সে কথা এরা না ভেবে পারে না।

প্রশ্ন নির্বোধকে এত বুঝিয়ো না। (জটিল) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: যারা নির্বোধ তাদেরকে এত বুঝিয়ো না।

প্রশ্ন আমাদের দেশ সুন্দরভাবে এগিয়ে যাচ্ছে। (বিস্ময়বোধক) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: কী সুন্দরভাবে এগিয়ে যাচ্ছে আমাদের দেশটা!

প্রশ্ন লোকটি অশিক্ষিত কিন্তু অশিষ্ট নয়। (সরল) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: লোকটি অশিক্ষিত হলেও অশিষ্ট নয়।

প্রশ্ন হৈমন্তী কোনো কথা বলিল না। (অস্তিবাচক) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: হৈমন্তী কোনো কথা বলিতে অপারণ হইল।

প্রশ্ন সাম্প্রদায়িক সম্প্রীতি রক্ষার্থে সকলের কাজ করা উচিত। (অনুজ্ঞবাচক) [সি. বো. ১৭]

উত্তর: সাম্প্রদায়িক সম্পৰ্কে রক্ষার্থে সকলেই কাজ করো।

প্রশ্ন কীর্তিমানের মৃত্যু নাই/নেই। (জটিল) [ব. বো. ১৭; দি. বো. ১৭; সি. বো. ১৬]

উত্তর: যারা কীর্তিমান তাঁদের মৃত্যু নাই।

প্রশ্ন দেখি, সে বিছানায় নাই। (অস্তিবাচক) [ব. বো. ১৭]

উত্তর: দেখি সে বিছানায় অনুপস্থিত।

প্রশ্ন তিনি আর নেই। (যৌগিক) [রা. বো. ১৬; ব. বো. ১৭]

উত্তর: তিনি ছিলেন কিন্তু এখন আর নেই।

প্রশ্ন মাতৃভূমিকে সকলেই ভালোবাসে। (জটিল) [রা. বো. ১৬; ব. বো. ১৭]

উত্তর: যাদের মাতৃভূমি তারা সকলেই তাকে ভালোবাসে।

প্রশ্ন যারা পরিশ্রমী তারা সফল হয়। (সরল) [সি. বো. ১৬; ব. বো. ১৭]

উত্তর: পরিশ্রমীরা সফল হয়।

প্রশ্ন মিথ্যাবাদীকে সবাই অপছন্দ করে। (নেতিবাচক) [দি. বো. ১৭]

উত্তর: মিথ্যাবাদীকে কেউ পছন্দ করে না।

প্রশ্ন তারা নিয়মিত শিক্ষার্থী নয়। (অস্তিবাচক) [সি. বো. '১৬; দি. বো. ১৭]

উত্তর: তারা অনিয়মিত শিক্ষার্থী।

প্রশ্ন তাদের ঘূম এখনও ভাঙেনি। (অস্তিবাচক) [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: তাদের ঘূম এখনও আটুট।

প্রশ্ন ওরা আগামীকাল আসবে। (প্রশ্নবাচক) [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: ওরা কি আগামীকাল আসবে না?

প্রশ্ন জীবনের জন্য বৃক্ষের দিকে তাকানো প্রয়োজন। (অনুজ্ঞাবাচক) [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: জীবনের জন্য বৃক্ষের দিকে তাকাও।

প্রশ্ন যাদের বুদ্ধি নেই, তারাই এ কথা বিশ্বাস করবে। (সরল) [ঢ. বো. ১৬; য. বো. ১৬]

উত্তর: নির্বোধরাই এ কথা বিশ্বাস করবে।

প্রশ্ন বৃষ্টির অভাবে ফসল নষ্ট হবে। (জটিল) [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: যখন বৃষ্টির অভাব হবে, তখন ফসল নষ্ট হবে।

প্রশ্ন মুক্তিযুদ্ধের শহিদদের স্মরণ করা উচিত। (যৌগিক) [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: মুক্তিযুদ্ধে শহিদ, তাই স্মরণ করা উচিত।

প্রশ্ন শিশুরা দূষণযুক্ত পরিবেশ চায়। (নেতৃত্বাচক) [রা. বো. ১৬]

উত্তর: শিশুরা দূষণযুক্ত পরিবেশ চায় না।

প্রশ্ন এখন খাঁটি জিনিস সহজলভ্য নয়। (অস্তিত্বাচক) [রা. বো. ১৬]

উত্তর: এখন খাঁটি জিনিস দুর্লভ।

প্রশ্ন নারী ও শিশু নির্যাতনের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ করতে আহ্বান জানাই। (অনুজ্ঞাসূচক)

[রা. বো. ১৬]

উত্তর: নারী ও শিশু নির্যাতনের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ জানাও।

প্রশ্ন পঞ্চাশের মন্ত্রের ঘটনা ছিল অত্যন্ত ভয়াবহ। (বিস্ময়সূচক) [রা. বো. ১৬]

উত্তর: ওহ! কী ভয়াবহ ছিল পঞ্চাশের মন্ত্রের ঘটনা!

প্রশ্ন রচনায় সহজবোধ্য শব্দ ব্যবহার করা উচিত। (জটিল) [রা, বো, '১৬]

উত্তর: যেসব শব্দ সহজবোধ্য সেসবই রচনায় ব্যবহার করা উচিত।

প্রশ্ন যেসব পশু মাংস খায়, তারা অত্যন্ত বলবান। (সরল) [রা, বো, '১৬]

উত্তর: মাংসভোজী পশু অত্যন্ত বলবান।

প্রশ্ন বাংলাদেশের চিরস্থায়িত্ব কামনা করি। (ইচ্ছাসূচক) [রা. বো. ১৬]

উত্তর: বাংলাদেশ চিরস্থায়ী হোক।

প্রশ্ন ছাত্রদের অধ্যয়নই তপস্য। (জটিল) [য. বো. ১৬]

উত্তর: যারা ছাত্র তাদের অধ্যয়নই তপস্য।

প্রশ্ন শাহনার স্বাস্থ্য ভালো। (নেতৃত্বাচক) [য. বো. ১৬]

উত্তর: শাহনার স্বাস্থ্য খারাপ নয়।

প্রশ্ন কী ভয়ংকর ঘটনা! (নির্দেশাত্মক) [য. বো. ১৬]

উত্তর: ঘটনাটি খুব ভয়ংকর।

প্রশ্ন ফরিয়াদি প্রসন্ন গোয়ালিনী। (জটিল) [কু. বো. ১৬]

বাংলা ভাষার অপ্রয়োগ ও শুন্দি প্রয়োগ

নিচের বাক্যগুলো শুন্দি করে লেখ

প্রশ্ন: বিরাট গরু ছাগলের হাট। [সি. বো. '২২, '১৯; চ. বো. '১৯; ঢ. বো. '১৭; য. বো. '১৬; ব. বো. '১৭, '১৬]

উত্তর: গরু-ছাগলের বিরাট হাট।

প্রশ্ন: বাংলাদেশ একটি উন্নতশীল রাষ্ট্র। [সি. বো. '২২; কু. বো. '১৭; রা. বো. '১৬; য. বো. '১৬; চ. বো. '১৬; ব. বো. '১৯; দি. বো. '১৯, '১৬]

উত্তর: বাংলাদেশ একটি উন্নয়নশীল রাষ্ট্র।

প্রশ্ন: সাবধান পূর্বক চলবে। [ঢ. বো. '২২; ব. বো. '১৭]

উত্তর: সাবধানে চলবে।

প্রশ্ন: তিনি আরোগ্য হয়েছেন। [ম. বো. '২২; য. বো. '১৭]

উত্তর: তিনি আরোগ্য লাভ করেছেন।

প্রশ্ন: বৃক্ষটি সমূলসহ উৎপাটিত হয়েছে। [ঢ. বো. '২২; চ. বো. '১৭; রা. বো. '১৬; চ. বো. '১৬]

উত্তর: বৃক্ষটি সমূলে উৎপাটিত হয়েছে।

প্রশ্ন: উপরোক্ত বাক্যটি শুন্দি নয়। [ঢ. বো. '২২; ব. বো. '১৯]

উত্তর: উপর্যুক্ত বাক্যটি শুন্দি নয়।

প্রশ্ন: কাব্যটির উৎকর্ষতা প্রশংসনীয়। [ঢ. বো. '২২; কু. বো. '১৯, '১২]

উত্তর: কাব্যটির উৎকৃষ্টতা প্রশংসনীয়।

প্রশ্ন: তার বৈমাত্রেয় সহোদর ডাঙ্গার। [ঢ. বো. '২২; য. বো. '১৭; চ. বো. '১৭]

উত্তর: তার বৈমাত্রেয় ভাই ডাঙ্গার।

প্রশ্ন: তিনি স্বপরিবারে ঢাকায় থাকেন। [ম. বো. '২২; য. বো. ১৬]

উত্তর: তিনি সপরিবারে/পরিবারসহ ঢাকায় থাকেন।

প্রশ্ন: আপনি স্বপরিবারে আমন্ত্রিত। [ঢ. বো. '২২; ব. বো. '১৬; দি. বো. ১৬]

উত্তর: আপনি সপরিবারে/পরিবারসহ আমন্ত্রিত।

প্রশ্ন: সব ছাত্ররা উপস্থিত আছে। [ঢ. বো. '১৭; সি. বো. '১৬]

উত্তর: সব ছাত্র উপস্থিত আছে।

প্রশ্ন: এটি লজ্জাকর ব্যাপার। [দি. বো. '২২, '১৭; ঢ. বো. '১৭]

উত্তর: এটি লজ্জাকর ব্যাপার।

প্রশ্ন: অপরাহ্ন লিখতে অনেকেই ভুল করে। [দি. বো. '২২; সি. বো. '১৯]

উত্তর: অপরাহ্ন লিখতে অনেকেই ভুল করে।

প্রশ্ন: বিদ্যান মূর্খ অপেক্ষা শ্রেষ্ঠ। [দি. বো. '২২; ঢ. বো. '১৭]

উত্তর: বিদ্বান মূর্খ অপেক্ষা শ্রেষ্ঠ।

প্রশ্ন: মেয়েটি বেশ বুদ্ধিমান। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: মেয়েটি বেশ বুদ্ধিমতী।

প্রশ্ন: দারিদ্র্যতা আমাদের অভিশাপ। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: দারিদ্র্য আমাদের অভিশাপ।

প্রশ্ন: পাতায় পাতায় পড়ে শিশির নিশির। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: পাতায় পাতায় পড়ে নিশির শিশির।

প্রশ্ন: সব পাখিরা উড়ে গেল। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: সব পাখি উড়ে গেল।

প্রশ্ন: আমি সাক্ষী দিব ন। [ঘ.বো. '১৭]

উত্তর: আমি সাক্ষ্য দিব না।

প্রশ্ন: 'গীতাঞ্জলী' রবিন্দ্রনাথ ঠাকুর রচিত একটি কাব্যগ্রন্থ। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: গীতাঞ্জলি রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর রচিত একটি কাব্যগ্রন্থ।

প্রশ্ন: তার দু'চোখ অশ্রূজলে ভেসে গেল। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: তার দু'চোখ অশ্রূতে ভেসে গেল।

প্রশ্ন: অধ্যক্ষ সাহেব স্বপরিবারে কক্ষবাজারে বেড়াতে গেছেন। [ঢ. বো. ১৯]

উত্তর: অধ্যক্ষ সাহেব সপরিবারে কক্ষবাজার বেড়াতে গেছেন।

প্রশ্ন: বিদ্যানকে সকলে শুন্দা করে। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: বিদ্যানকে সকলে শুন্দা করে।

প্রশ্ন: তাহারা মাঠে খেলা করছে। [ঢ. বো. '১৯]

উত্তর: তাহারা মাঠে খেলা করিতেছে।

প্রশ্ন: শতাব্দীর দু'চোখ অশ্রুজলে ভেসে গেল। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: শতাব্দীর দু'চোখ অশ্রুতে ভেসে গেল।

প্রশ্ন: শহীদ মিনারে শুন্দাঞ্জলি অর্পণ করব। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: শহীদ মিনারে শুন্দাঞ্জলি দেব।

প্রশ্ন: আসছে ২ এপ্রিল, ২০১৯ আমাদের উচ্চ মাধ্যমিক পরীক্ষা হবে। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: আগামী ২ এপ্রিল ২০১৯ থেকে আমাদের উচ্চ মাধ্যমিক পরীক্ষা শুরু হবে।

প্রশ্ন: চোরটাকে পূর্ণচন্দ্র দিয়ে বিদায় কর। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: চোরটাকে অর্ধচন্দ্র দিয়ে বিদায় কর।

প্রশ্ন: যাবতীয় প্রাণীবৃন্দ এই গ্রহের বাসিন্দা। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: যাবতীয় প্রাণী এই গ্রহের বাসিন্দা।

প্রশ্ন: সারাজীবন ভূতের মজুরি খেটে মরলাম। [রা. বো. '১৯]

উত্তর: সারাজীবন ভূতের বেগার খেটে মরলাম।

প্রশ্ন: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্যতা আমাদের মুঞ্চ করে। [রা.বো. '১৯]

উত্তর: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্য আমাদের মুঞ্চ করে।

প্রশ্ন: দৈন্যতা কোনো সময়ই প্রশংসনীয় নয়। [য. বো. '১৯]

উত্তর: দীনতা কোনো সময়ই প্রশংসনীয় নয়।

প্রশ্ন: দুঃসংবাদটি শুনে সে চোখের অশ্রুজল সংবরণ করতে পারলো না। [য.বো. '১৯]

উত্তর: দুঃসংবাদটি শুনে সে চোখের জল সংবরণ করতে পারল না।

প্রশ্ন: এ বিষয়ে অজ্ঞানতাই তার পতনের কারণ। [য. বো. '১৯]

উত্তর: এ বিষয়ে অজ্ঞতাই তার পতনের কারণ।

প্রশ্ন: পরীক্ষা চলাকালীন সময়ে হর্ণ বাজানো নিষেধ। [য. বো. '১৯]

উত্তর: পরীক্ষা চলাকালীন হর্ণ বাজানো নিষেধ।

প্রশ্ন: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্রিতা আমাদের মুঞ্চ করে। [য. বো. '১৯]

উত্তর: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্য আমাদের মুঞ্চ করে।

প্রশ্ন: তিনি স্বন্দীক নিউমার্কেটে গিয়েছেন। [য. বো. '১৯]

উত্তর: তিনি সন্দীক নিউমার্কেট গিয়েছেন।

প্রশ্ন: আমরা বিদেহী আত্মার চিরশান্তি কামনা করছি। [য. বো. '১৯]

উত্তর: আমরা তার আত্মার শান্তি কামনা করছি।

প্রশ্ন: তাহাকে এখান থেকে যাইতে হবে। [য. বো. '১৯]

উত্তর: তাকে এখান থেকে যেতে হবে।

প্রশ্ন: জাতীয় প্রেসক্লাবে তিনি এক সংবাদ সম্মেলনে বক্তৃতা করেন। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: জাতীয় প্রেসক্লাবে তিনি এক সংবাদ সম্মেলন করেন।

প্রশ্ন: আমি এ ঘটনা চাক্ষুষ প্রত্যক্ষ করেছি। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: আমি এ ঘটনা প্রত্যক্ষ করেছি/চাক্ষুষ দেখেছি।

প্রশ্ন: সম্প্রতি কয়েকটি নদীতে নাব্যতা সংকট দেখা দিয়েছে। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: সম্প্রতি কয়েকটি নদীতে নাব্য সংকট দেখা দিয়েছে।

প্রশ্ন: স্বজনেরা মরাদাহ করতে শাশানে গেছেন। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: স্বজনেরা শবদাহ করতে শাশানে গেছেন।

প্রশ্ন: ফেলো টাকা মাখো তেল। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: ফেলো কড়ি মাখো তেল।

প্রশ্ন: তদানীন্তনকালে বাঙালি ব্রিটিশদের অধীন ছিলো। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: এককালে বাঙালি ব্রিটিশদের অধীন ছিল।

প্রশ্ন: কথাটি শুনে তিনি আশ্চর্য হলেন। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: কথাটি শুনে তিনি আশ্চর্যান্বিত হলেন।

প্রশ্ন: মাতাহীন শিশুর কী দুঃখ। [চ. বো. '১৯]

উত্তর: মাতৃহীন শিশুর কী দুঃখ!

প্রশ্ন: অশ্রু জলে তার বুক ভেসে গেল। [চ. বো. '১৯]

উত্তর: অশ্রুতে তার বুক ভেসে গেল।

প্রশ্ন: দৈন্যতা সবসময় প্রশংসনীয় নহে। [চ. বো. '১৯]

উত্তর: দীনতা সব সময় প্রশংসনীয় নহে।

প্রশ্ন: সকল সভ্যগণ সভায় উপস্থিত ছিলেন। [চ.বো. '১৯]

উত্তর: সকল সভ্য সভায় উপস্থিত ছিলেন।

প্রশ্ন: খাঁটি গরুর দুধ। [চ. বো. '১৯]

উত্তর: গরুর খাঁটি দুধ।

প্রশ্ন: একটি গোপনীয় কথা বলি। [চ. বো. '১৯]

উত্তর: একটা গোপন কথা বলি।

প্রশ্ন: মহারাজা সভাগৃহে প্রবেশ করিলেন। [সি. বো. ১৯]

উত্তর: মহারাজ সভাগৃহে প্রবেশ করিলেন।

প্রশ্ন: শহীদ মিনারে শন্দাঞ্জলী অর্পণ করবো। [সি. বো. '১৯]

উত্তর: শহীদ মিনারে শন্দাঞ্জলি দেব।

প্রশ্ন: আমার টাকার আবশ্যক নাই। [সি.বো. '১৯]

উত্তর: আমার টাকার আবশ্যকতা নাই।

প্রশ্ন: প্রতিযোগীতায় অংশগ্রহণ করাই বড় কথা। [সি. বো. '১৯]

উত্তর: প্রতিযোগিতায় অংশগ্রহণ করাই বড় কথা।

প্রশ্ন: বিশ্বে বাংলা ভাষাভাষীর সংখ্যা প্রায় পঁচিশ কোটি। [সি. বো. '১৯]

উত্তর: বিশ্বে বাংলাভাষীর সংখ্যা প্রায় ত্রিশ কোটি।

প্রশ্ন: বাংলাদেশ একটি উন্নতশীল দেশ। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: বাংলাদেশ একটি উন্নয়নশীল দেশ।

প্রশ্ন: এক পৌষে শীত যায় না। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: এক মাঘে শীত যায় না।

প্রশ্ন: বন্দরে কয়েকটি ডিপার্টমেন্টাল স্টোর আছে। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: মার্কেটে তার কয়েকটি ডিপার্টমেন্টাল স্টোর আছে।

প্রশ্ন: ঘটনাটি অত্যান্ত লজ্জাক্ষর। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: ঘটনাটি অত্যন্ত লজ্জাকর।

প্রশ্ন: মামলা চালাতে গিয়ে লোকটি সর্বশান্ত হলো। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: মামলার খরচ চালাতে গিয়ে লোকটি সর্বস্বান্ত হলো।

প্রশ্ন: কেবলমাত্র গায়ের জোরে সব কাজ হয় না। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: কেবল গায়ের জোরে সব কাজ হয় না।

প্রশ্ন: শিক্ষক অন্যান্য বিষয়সমূহের আলোচনা করলেন। [ব. বো. '১৯]

উত্তর: শিক্ষক অন্যান্য বিষয়েও আলোচনা করলেন।

প্রশ্ন: আকর্ষ পর্যন্ত খেয়ে এখন হাঁসফাঁস লাগছে। [দি. বো. '১৯]

উত্তর: আকর্ষ খেয়ে এখন হাঁসফাঁস লাগছে।

প্রশ্ন: আজ আমার কনিষ্ঠ বোনের বাগদান অনুষ্ঠান। [দি.বো. '১৯]

উত্তর: আজ আমার ছোট বোনের বাগদান।

প্রশ্ন: আমার কথাই শেষ পর্যন্ত প্রমাণ হলো। [দি. বো. '১৯]

উত্তর: আমার কথাই শেষ পর্যন্ত প্রমাণিত হলো।

প্রশ্ন: লোকটাকে পূর্ণচন্দ্র দিয়ে বিদায় করে দাও। [দি. বো. '১৯]

উত্তর: লোকটাকে অর্ধচন্দ্র দিয়ে বিদায় করে দাও।

প্রশ্ন: এখানে খাঁটি গরুর দুধ পাওয়া যায়। [সি. বো. '১৯; দি. বো. '১৯]

উত্তর: এখানে গরুর খাঁটি দুধ পাওয়া যায়।

প্রশ্ন: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্য আমাদের মুঞ্চ করে। [দি. বো. '১৯]

উত্তর: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্য আমাদের মুঞ্চ করে।

প্রশ্ন: স্বজনেরা মরদাহ করতে শুশানে গেছেন। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: স্বজনেরা শবদাহ করতে শুশানে গেছেন।

প্রশ্ন: ফেলো টাকা মাখো তেল। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: ফেলো কাড়ি মাঝে তেল।

প্রশ্ন: বাঙালি ব্রিটিশদের অধীন ছিল। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: এককালে বাঙালি ব্রিটিশদের অধীন ছিল।

প্রশ্ন: কথাটা শুনে তিনি আশ্চর্য হলেন। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: কথাটা শুনে তিনি আশ্চর্যাপ্তি হলেন।

প্রশ্ন: জাতীয় প্রেসক্লাবে তিনি এক সংবাদ সম্মেলনে বক্তৃতা করেন। [কু. বো. ১৯]

উত্তর: জাতীয় প্রেসক্লাবে তিনি এক সংবাদ সম্মেলন করেন।

প্রশ্ন: সম্প্রতি কয়েকটি নদীতে নাব্যতা সংকট দেখা দিয়েছে। [কু. বো. '১৯]

উত্তর: সম্প্রতি কয়েকটি নদীতে নাব্য সংকট দেখা দিয়েছে।

প্রশ্ন: তিনি আজ ভিডিও কনফারেন্সের মাধ্যমে ভাষণ দেবে। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: তিনি আজ ভিডিও কনফারেন্সের মাধ্যমে ভাষণ দেবেন।

প্রশ্ন: প্রয়াত কবিকে আমরা সবাই অশ্রুজলে বিদায় দিলাম। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: প্রয়াত কবিকে আমরা চোখের জলে বিদায় দিলাম।

প্রশ্ন: তাহারা সবাই অন্যায়ের বিরুদ্ধে রূপ্ত্বে দাঁড়িয়েছে। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: তারা অন্যায়ের বিরুদ্ধে রূপ্ত্বে দাঁড়িয়েছে।

প্রশ্ন: সুশিক্ষার কোনো বিকল্প নেই। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: শিক্ষার কোনো বিকল্প নেই।

প্রশ্ন: এতে গৌরব লোপ হয়েছে। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: এতে গৌরব লোপ পেয়েছে।

প্রশ্ন: শ্রাবণী অত্যন্ত বুদ্ধিমান মেয়ে। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: শ্রাবণী খুব বুদ্ধিমতী মেয়ে।

প্রশ্ন: সকল সদস্যগণকে অভিনন্দন জানাচ্ছি। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: সকল সদস্যকে অভিনন্দন জানাচ্ছি।

প্রশ্ন: পরবর্তীতে আপনি আবার আসবেন। [সকল বোর্ড '১৮]

উত্তর: আপনি আবার আসবে।

প্রশ্ন: আমার টাকার আবশ্যক নাই। [ঢ. বো. '১৭; সি. বো, '১৯]

উত্তর: আমার টাকার আবশ্যকতা নাই।

প্রশ্ন: ছেলেটি বংশের মাথায় চুনকালি দিল। [ঢ. বো. '১৭]

উত্তর: ছেলেটি বংশের মুখে চুনকালি দিল।

প্রশ্ন: সে এ মোকদ্দমায় সাক্ষী দিয়েছে। [ঢ. বো. '১৭]

উত্তর: সে এ মোকদ্দমায় সাক্ষ্য দিয়েছে।

প্রশ্ন: অশ্রু জলে বুক ভেসে গেল। [চ. বো. '১৯; ঢ.বো. '১৭; দি. বো. '১৭]

উত্তর: অশ্রুতে বুক ভেসে গেল।

প্রশ্ন: বিধি লজ্জন হয়েছে। [রা. বো. '১৭]

উত্তর: বিধি লজ্জিত হয়েছে।

প্রশ্ন: আমৃত্যু পর্যন্ত দেশের সেবা করে যাব। [রা. বো. '১৭; ব. বো. '১৭; ঢ. বো. '১৬]

উত্তর: আমৃত্যু দেশের সেবা করে যাব।

প্রশ্ন: হষিতা বুদ্ধিমান মেয়ে। [রা. বো. '১৭]

উত্তর: হষিতা বুদ্ধিমতী মেয়ে।

প্রশ্ন: তার পানিতে সমাধি হয়েছে। [রা. বো. '১৭]

উত্তর: তার সলিল সমাধি হয়েছে।

প্রশ্ন: নজরুল সাহেব স্বপরিবারে বেড়াতে গেলেন। [রা.বো, '১৭]

উত্তর: নজরুল সাহেব সপরিবারে বেড়াতে গেলেন।

প্রশ্ন: সময় বড় সংক্ষেপ। [রা. বো, '১৭]

উত্তর: সময় সংক্ষেপ।

প্রশ্ন: তাকে বাড়ি যাইতে দাও। [রা.বো, '১৭]

উত্তর: তাকে বাড়ি যেতে দাও।

প্রশ্ন: গীতাঞ্জলী একটি কাব্যগ্রন্থ। [রা.বো, '১৭]

উত্তর: গীতাঞ্জলি একটি কাব্যগ্রন্থ।

প্রশ্ন: একথা প্রমান হয়েছে। [য.বো. '১৭; ব.বো, '১৭]

উত্তর: একথা প্রমাণিত হয়েছে।

প্রশ্ন: ছেলেটি ভয়ানক মেধাবী। [য.বো. '১৭; কু.বো. '১৬]

উত্তর: ছেলেটি খুব মেধাবী।

প্রশ্ন: কালীদাস বিখ্যাত কবি। [য. বো. '১৭]

উত্তর: কালিদাস বিখ্যাত কবি।

প্রশ্ন: অন্যায়ের ফল দুর্নির্বার্য। [য. বো. '১৭; ব. বো. '১৭; সি.বো. '১৬]

উত্তর: অন্যায়ের ফল অনিবার্য।

প্রশ্ন: অধ্যাপনাই ছাত্রদের তপস্যা। [য. বো. '১৭]

উত্তর: অধ্যয়নই ছাত্রদের তপস্যা।

প্রশ্ন: প্রতিযোগীতায় অংশগ্রহণ করাই বড় কথা। [কু. বো. '১৭; সি. বো. '১৯]

উত্তর: প্রতিযোগিতায় অংশগ্রহণ করাই বড় কথা।

প্রশ্ন: সারা জীবন ভূতের মজুরি খেটে মরলাম। [কু. বো. '১৭]

উত্তর: সারাজীবন ভূতের বেগার খেটে মরলাম।

প্রশ্ন: মাদকাশক্তি ভালো নয়। [কু. বো. '১৭]

উত্তর: মাদকাসক্তি ভালো নয়।

প্রশ্ন: নিরোগী লোক আসলে সুখী। [কু.বো. '১৭; ঢ. বো: '১৬]

উত্তর: নিরোগ লোক আসলে সুখী।

প্রশ্ন: কীর্তিবাস বাংলা রামায়ন লিখেছেন। [কু. বো. '১৭]

উত্তর: কৃতিবাস বাংলা রামায়ন লিখেছেন।

প্রশ্ন: শুধুমাত্র গায়ের জোরে কাজ হয় না। [কু. বো. '১৭]

উত্তর: শুধু গায়ের জোরে কাজ হয় না।

প্রশ্ন: উপরোক্ত বাক্যটি শুন্দ নয়। [ব. বো. '১৯; কু. বো. '১৭]

উত্তর: উপর্যুক্ত বাক্যটি শুন্দ নয়।

প্রশ্ন: আমি, তুমি ও তিনি আজ বাগানে যাবেন। [চ. বো. '১৭]

উত্তর: সে, তুমি ও আমি আজ বাগানে যাব।

প্রশ্ন: পূর্বদিকে সূর্য উদয় হয়। [চ. বো. '১৭]

উত্তর: পূর্বদিকে সূর্য উদিত হয়।

প্রশ্ন: চোরে চোরে চাচাতো ভাই। [চ. বো. '১৭]

উত্তর: চোরে চোরে মাসতুতো ভাই।

প্রশ্ন: তাহাকে এখান থেকে যাইতে হবে। [চ. বো. '১৭]

উত্তর: তাকে এখান থেকে যেতে হবে।

প্রশ্ন: দৈন্যতা কোনো সময়ই প্রশংসনীয় নয়। [য. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

উত্তর: দীনতা কোনো সময়ই প্রশংসনীয় নয়।

প্রশ্ন: দুঃসংবাদটি শুনে সে চোখের অশ্রুজল সংবরণ করতে পারলো না। [য. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

উত্তর: দুঃসংবাদটি শুনে সে চোখের জল সংবরণ করতে পারল না।

প্রশ্ন: এ বিষয়ে অজ্ঞানতাই তার পতনের কারণ। [য. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

উত্তর: এ বিষয়ে অজ্ঞতাই তার পতনের কারণ।

প্রশ্ন: এখানে প্রবেশ নিষেধ। [চ. বো. '১৭]

উত্তর: এখানে প্রবেশ নিষিদ্ধ।

প্রশ্ন: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্রিতা আমাদের মুঞ্চ করে। [রা. বো. '১৯; য. বো. ১৯; সি. বো. ১৭; দি. বো. '১৯]

উত্তর: পাহাড়ের প্রাকৃতিক বৈচিত্র্য আমাদের মুঞ্চ করে।

প্রশ্ন: আমরা তার বিদেহী আত্মার চিরশান্তি কামনা করছি। [য. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

উত্তর: আমরা তার আত্মার শান্তি কামনা করছি।

প্রশ্ন: তিনি স্বন্দীক নিউমার্কেটে গিয়েছেন! [য. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

উত্তর: তিনি সন্দীক নিউমার্কেটে গিয়েছেন।

প্রশ্ন: দেশের উন্নয়নের গতি ত্বরান্বিত করার জন্য কৃচ্ছ্রসাধন দরকার। [সি. বো. '১৭]

উত্তর: দেশের উন্নয়ন ত্বরান্বিত করার জন্য কৃচ্ছ্রসাধন দরকার।

প্রশ্ন: তার সৌজন্যতায় মুঞ্চ হলাম। [ব. বো. '১৭; সি. বো. ১৬]

উত্তর: তার সৌজন্যে মুঞ্চ হলাম।

প্রশ্ন: সে সভায় উপস্থিত ছিলেন। [ব. বো. '১৭; ব. বো. ১৬]

উত্তর: সে সভায় উপস্থিত ছিল।

প্রশ্ন: ইহার আবশ্যক নাই। [ব. বো. '১৭; ১৬]

উত্তর: ইহার আবশ্যকতা নাই।

প্রশ্ন: অপমান হবার ভয় নেই। [দি. বো. '১৭]

উত্তর: অপমানিত হবার ভয় নেই।

প্রশ্ন: এক অগ্রহায়ণে শীত যায় না। [দি. বো. '১৭; দি. বো. ১৬]

উত্তর: এক মাঘে শীত যায় না।

প্রশ্ন: বঙ্গিমের ভয়ঙ্কর প্রতিভা ছিল। [দি. বো. '১৭; দি. বো. ১৬]

উত্তর: বঙ্গিমচন্দ্রের অসামান্য প্রতিভা ছিল।

প্রশ্ন: সব পাখিরা নীড় বাঁধে না। [দি. বো. '১৭]

উত্তর: সব পাখি নীড় বাঁধে না।

প্রশ্ন: ষড়ৰ্খতুর সমাহারের দেশ বাংলাদেশ। [দি. বো. '১৭]

উত্তর: ষড়ৰ্খতুর দেশ বাংলাদেশ।

প্রশ্ন: প্রতিযোগিতায় প্রতিদ্বন্দ্বিতা থাকবেই। [দি. বো. ১৭]

উত্তর: প্রতিযোগিতায় প্রতিদ্বন্দ্বিতা থাকবেই।

প্রশ্ন: কারো দৈন্যতা নিয়ে উপহাস কোরো না। [ঢ. বো. '১৬]

উত্তর: কারো দৈন্য/দীনতা নিয়ে উপহাস করো না।

প্রশ্ন: আমি অহনিশি সে কথাই ভেবেছি। [ঢ. বো. ১৬]

উত্তর: আমি অহনিশি সে কথাই ভাবছি।

প্রশ্ন: শুধুমাত্র টাকার জোরে সব কিছু হয় না [ঢা. বো. ১৬]

উত্তর: শুধু টাকার জোরে সবকিছু হয় না।

প্রশ্ন: তার দু'চোখ অশ্রজলে ভেসে গেল। [ঢা. বো. '১৯, '১৬]

উত্তর: তার দু'চোখ জলে ভেসে গেল।

প্রশ্ন: এ মামলায় আমি সাক্ষী দেব না। [ঢা. বো. '১৬]

উত্তর: এ মামলায় আমি সাক্ষ্য দেব না।

প্রশ্ন: বেগম রোকেয়ার মতো বিদ্বান নারী একালেও বিরল। [ঢা. বো. '১৬]

উত্তর: বেগম রোকেয়ার মতো বিদুষী নারী একালেও বিরল।

প্রশ্ন: আকর্ষ পর্যন্ত ভোজনে স্বাস্থ্যহানি ঘটে। [রা.বো. '১৬; সি. বো. '১৬]

উত্তর: আকর্ষ ভোজনে স্বাস্থ্যহানি ঘটে।

প্রশ্ন: আসছে আগামীকাল কলেজ বন্ধ থাকবে। [রা.বো. '১৬]

উত্তর: আগামীকাল কলেজ বন্ধ থাকবে।

প্রশ্ন: দশচক্রে ঈশ্বর ভূত। [রা. বো. ১৬; চ. বো. ১৬]

উত্তর: দশচক্রে ভগবান ভূত।

প্রশ্ন: মেয়েটি বিদ্বান কিন্তু ঝগড়াটে। [রা. বো. ১৬]

উত্তর: মেয়েটি বিদুষী কিন্তু ঝগড়াটে।

প্রশ্ন: উৎপন্ন বৃদ্ধির জন্য কঠোর পরিশ্রম প্রয়োজন। [রা. বো. ১৬]

উত্তর: উৎপাদন বৃদ্ধির জন্য কঠোর পরিশ্রম প্রয়োজন।

প্রশ্ন: দুর্বলবশত তিনি আসতে পারেননি। [য. বো. ১৬]

উত্তর: দুর্বলতাবশত তিনি আসতে পারেননি।

প্রশ্ন: পৃথিবী সর্বদা সূর্যের চারিদিকে ঘূর্ণীয়মান। [য. বো. '১৬]

উত্তর: পৃথিবী সর্বদা সূর্যের চারিদিকে ঘূর্ণায়মান।

প্রশ্ন: সভায় অনেক ছাত্রগণ এসেছিল। [য. বো. ১৬]

উত্তর: সভায় অনেক ছাত্র এসেছিল।

প্রশ্ন: দৈন্যতা সবসময় ভালো নয়। [য. বো. ১৬]

উত্তর: দৈন্য/দীনতা সবসময় ভালো নয়

প্রশ্ন: এটা হচ্ছে ষষ্ঠিদশ বার্ষিক সাধারণ সভা। [য. বো. ১৬]

উত্তর: এটা হচ্ছে ঘোড়শ বার্ষিক সাধারণ সভা।

প্রশ্ন: চোখে হলুদফুল দেখছি। [য. বো. ১৬]

উত্তর: চোখে শর্ষেফুল দেখছি।

প্রশ্ন: অন্যান্য বিষয়গুলোর আলোচনা পরে হবে। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: অন্যান্য বিষয়ের আলোচনা পরে হবে।

প্রশ্ন: তিনি মোকদ্দমায় সাক্ষী দেবেন। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: তিনি মোকদ্দমায় সাক্ষ্য দেবেন।

প্রশ্ন: আগত শনিবারে তারা যাবে। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: আসছে/আগামী শনিবারে তারা যাবে।

প্রশ্ন: সকল ছাত্রগণ পাঠে মনোযোগী নয়। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: সকল ছাত্র পাঠে মনোযোগী নয়।

প্রশ্ন: বর্তমানে খাঁটি গরুর দুধ পাওয়া মুশকিল। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: বর্তমানে গাড়ীর খাঁটি দুধ পাওয়া মুশকিল।

প্রশ্ন: শুধুমাত্র সেই পারবে এ কাজটি করতে। [কু. বো. '১৬]

উত্তর: শুধু সেই পারবে এ কাজটি করতে।

প্রশ্ন: নতুন নতুন ছেলেগুলো কলেজে বড় উৎপাত করছে। [চ. বো. '১৬]

উত্তর: নতুন ছেলেরা/নতুন নতুন ছেলে কলেজে বেশ উৎপাত করছে।

প্রশ্ন: বিশ্বে বাংলা ভাষাভাষীর সংখ্যা প্রায় পঁচিশ কোটি। [চ. বো. ১৬; সি. বো. ১৯]

উত্তর: বিশ্বে বাংলাভাষী লোকের সংখ্যা প্রায় ত্রিশ কোটি।

প্রশ্ন: অন্যায়ের প্রতিফল দুনিবার্য। [চ. বো. ১৬]

উত্তর: অন্যায়ের প্রতিফল অনিবার্য।

প্রশ্ন: অল্প দিনের মধ্যে তিনি আরোগ্য হলেন। [চ. বো. ১৬]

উত্তর: অল্প দিনের মধ্যে তিনি আরোগ্য লাভ করবেন।

প্রশ্ন: বাজারে খাঁটি গরুর দুধ দুর্লভ। [চ. বো. ১৬]

উত্তর: বাজারে গরুর খাঁটি দুধ দুর্লভ।

প্রশ্ন: এক কথা প্রমাণ হয়েছে। [সি. বো. ১৬]

উত্তর: কথাটি প্রমাণিত হয়েছে।

প্রশ্ন: এখানে খাঁটি গরুর দুধ পাওয়া যায়। [সি. বো. '১৬]

উত্তর: এখানে গরুর খাঁটি দুধ পাওয়া যায়।

প্রশ্ন: আভ্যন্তরীণ ব্যাপারে হস্তক্ষেপ অনুচিত। [সি. বো. ১৬]

উত্তর: অভ্যন্তরীণ ব্যাপারে হস্তক্ষেপ অনুচিত।

প্রশ্ন: ছেলেটি দুর্দান্ত মেধাবী। [সি. বো. ১৬]

উত্তর: ছেলেটি অত্যন্ত/খুব মেধাবী।

প্রশ্ন: সকল ছাত্র-ছাত্রীগণ ক্লাসে উপস্থিত ছিল। [ব. বো. '১৬]

উত্তর: সকল ছাত্র-ছাত্রী ক্লাসে উপস্থিত ছিল।

প্রশ্ন: একের বোৰা, দশের লাঠি। [ব. বো. '১৬]

উত্তর: দশের লাঠি একের বোৰা।

প্রশ্ন: দারিদ্র্যাকে জয় করতে তোমার ইচ্ছাই যথেষ্ট। [ব.বো. ১৬]

উত্তর: দারিদ্র্যকে/দরিদ্র্যাকে জয় করতে তোমার ইচ্ছাই যথেষ্ট।

প্রশ্ন: শকুনের দোয়ায় হাতি মরে,না। [ব. বো. '১৬]

উত্তর: শকুনের দোয়ায় গরু মরে না।

প্রশ্ন: দৈন্যতা প্রশংসনীয় নয়। [দি. বো. '১৬]

উত্তর: দৈন্য/দীনতা প্রশংসনীয় নয়।

প্রশ্ন: সকল লোকেরাই সেখানে উপস্থিত ছিল। [দি. বো. '১৬]

উত্তর: সকল লোকই সেখানে উপস্থিত ছিল।

প্রশ্ন: অপরাহ্ন লিখতে অনেকেই ভুল করে। [সি. বো. '১৯; দি. বো. ১৬]

উত্তর: অপরাহ্ন লিখতে অনেকেই ভুল করে।

প্রশ্ন: নদীর জলে অস্তমান সূর্যের ছায়া পড়েছে। [দি. বো. '১৬]

উত্তর: নদীর জলে অস্তায়মান সূর্যের ছায়া পড়েছে।

প্রশ্ন: শহিদ মিনারে শন্দাঞ্জলী অর্পণ করবো। [রা. বো. '১৯; কু. বো. ১২; সি. বো. ১৯]

উত্তর: শহিদ মিনারে শন্দাঞ্জলি দেব।

প্রশ্ন: তাকে স্বপরিবারে দাওয়াত কর। [কু. বো. ১২]

উত্তর: তাকে সপরিবারে দাওয়াত কর।

Art – কলা। [রা. বো. '২৩]

Aid- সাহায্য। [সি. বো. '২৩; ঢা. বো. '১৩; য. বো. '১৭; ব. বো. '১৬]

Acting – ভারপ্রাপ্ত। [ঢা. বো. '২২, '১৪; রা. বো. '১১; য. বো. '১৬; সি. বো. '০৮]

Act – আইন। [দি. বো. '২২]

Academic- শিক্ষা প্রতিষ্ঠান সম্পর্কিত। [য. বো. '১৫; ব. বো. '০৬]

Academic year- শিক্ষাবর্ষ। [কু. বো. '০৮]

Abbreviation – সংক্ষেপ।

Account – হিসাব।

Acting Editor- ভারপ্রাপ্ত সম্পাদক।

Acknowledgement – স্বীকৃত। [সি. বো. '১৭; য. বো. '০৭]

Affidavit – শপথনামা, হলফনামা। [কু. বো. '১১; চ. বো. '১৯, '১৬, সি. বো. '১৬, '১১]

Agent – নিযুক্ত, প্রতিনিধি। [সি. বো. '১৬]

Agenda- আলোচ্যসূচি। [রা. বো. '১৬; য. বো. '০৮, '০৬; কু. বো. '১৪, '০৬; চ. বো. '১১, '০৬; সি. বো. '১৫, '১২, '১০; ব. বো. '১৬; দি. বো. '১৫, '১১, '১৬]

Agreement – চুক্তি।

Adaptation- অভিযোজন, প্রতিযোজন। [ব. বো. '১১]

Adjust- সমন্বয় করা। [দি. বো. '১৬]

Administrator-প্রশাসক।

Administrative- প্রশাসনিক। [চ. বো. '১৪]

Admit Card- প্রবেশপত্র।

Admission – ভর্তি, প্রবেশ [ঢা. বো. '০৬; দি. বো. '১২]

Ad-hoc- অনানুষ্ঠানিক। [চ. বো. '১৭; সি. বো. '১৪; ব. বো. '১৯]

Audio- শ্রবণ বিষয়ক। [ঢা. বো. '১৯; রা. বো. '১১; ব. বো. '১৫, '১৪]

Additional- অতিরিক্ত।

Adviser-উপদেষ্টা।

Analysis- বিশ্লেষণ। [দি. বো. '১৭]

Anatomy- শব্দ ব্যবচ্ছেদবিদ্যা শারীরবিদ্যা। [রা. বো. '১৩]

Autonomous- স্বায়ত্তশাসিত। [কু. বো. ১৯]

Approve- অনুমোদন।

Architecture- স্থাপত্য। [কু. বো. '১৬; চ. বো. ১২]

Aeroplane- উড়োজাহাজ।

Air-conditioned- শীতাতপ নিয়ন্ত্রিত। [রা. বো. '০৬]

Air-mail- বিমান ডাক।

Allegation- অভিযোগ [ঢা. বো. '১৭; ব. বো. '১৩]

Alloment- বরাদ্দ। [রা. '১৫; য. বো. ১১; দি. বো. ১৫, '১৩]

Auditor- নিরীক্ষক। [সি. বো. ১২]

Article- অনুচ্ছেদ।

Adult Education- বয়স্ক শিক্ষা।

Appendix- পরিশিষ্ট।

Author - লেখক, গ্রন্থকার। [সি. বো. '০৮]

Anticorruption- দুর্বীতি দমন। [ব. বো. '০৮]

Annexation—সংযোজিত [রা. বো. '১৯; কু. বো. ১৭]

Attestation- সত্যায়িতকরণ। [ঢা. বো. '১৬; কু. বো. '১৭, '০৮]

Autograph- স্বাক্ষর। [চ. বো. '০৮; দি. বো. '১৯]

Axix- অক্ষ।

Ballot- গুপ্তভোট [ঢা. বো. '২২; ব. বো. '১৭]

Bail – জামিন। [ম. বো. '২২; ঢা. বো. '১৭; রা. বো. '১৬; য. বো. '১৬, '১৩, '০৮; কু. বো. ১৪; ব. বো. ১৬]

Bacteria- জীবাণু। [রা. বো. ১১]

Banker- ব্যাংক মালিক, ব্যাংকের পরিচালক। [সি. বো. ১৪]

Bulletin – জ্ঞাপনপত্র, ইশতেহার। [ঢা. বো. '১৯; রা. বো. '১৯; সি. বো. '১৬]

Biography- জীবনচরিত। [রা. বো. '১৭, '১৫; দি. বো. '১৭; য. বো. ১৪; কু. বো. '০৬]

Bilingual– দ্বিভাষিক [দি. বো, '১৯]

Bio-data—জীবন-বৃত্তান্ত [ঢা. বো. '১২ '০৮, '০৬; রাঃ বো. '১২, '০৮; চ. বো. '১৯, '১৫; ব. বো. ১৫; দি. বো. '১৫]

Banquet—ভোজসভা [রাঃ বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

Bench- বিচারপীঠ, ন্যায়াসন। [ব. বো. '১৩]

Bidder- যে নিলাম ডাকে। [সকল বোর্ড ২০১৮; ব. বো. '১৫]

Bureaucracy- আমলাতন্ত্র। [য. বো. ১১]

Bankrupt - দেউলিয়া। [চ. বো. '১৭; ব. বো. ১১]

Bibliography- গ্রন্থপঞ্জি।

Bearer- বাহক।

Board- পরিচালক সমিতি।

Bond - প্রতিজ্ঞাপত্র। [ঢা. বো. ১৬; চ. বো. '১৬; দি. বো. '১৩]

Book post—খোলা ডাক [ঢা. বো. ১৫; '১৪; রাঃ বো. '০৬; য. বো. '১৭; কু. বো. '০৬; চ. বো. ১২, ১০; সি. বো. ১১, '০৬; দি. '১৫]

Booklet - পৃষ্ঠিকা [কু. বো. ১৬; ব. বো. ১২]

Break of study- শিক্ষা বিরতি।

Brand - প্রতীক, মার্ক। [রাঃ বো. ১৩; কু. বো. ১৭; চ. বো. '০৬; ব. '১৫; দি. বো. ১২]

Broadcast- বেতারবার্তা। [ব. বো. ১৩]

Broker- দালাল। [ঢা. বো. '১২; রাঃ বো. ১২, ১০; য. বো. ১৬, '১৫; চ. '১৫]

Basic – তলদেশে অবস্থিত।

Basic Pay- মূলবেতন।

Back ground- পটভূমি, পশ্চাত্পট।

Boyscout—বালকদের দেহ, মন ও চরিত্রের উন্নতি সাধক প্রতিষ্ঠানের সভ্য। [চ. বো. '১১; সি. বো. ১১]

Black-out – নিষ্প্রদীপ, ক্ষীণ। [কু. বো. '১৯, '০৮]

Boycott – বর্জন। [কু. বো. '০৮]

Branch Office-শাখা অফিস।

Blue-Print-নীলনকশা। [ঢা. বো. ১৩; কু. বো. '১৭; সি. বো. '০৮]

Ballot-paper- ভোটপত্র। [রাঃ বো. ১৪]

By-election- উপ-নির্বাচন। [রাঃ বো. '১৯, '১৬; চ. বো. ১৪; ব. বো. ১৯]

By-law – উপবিধি [কু. বো. ১১; চ. '১৫; সি. বো. ১২]

Bureau- সংস্থা।

Civil war- বেসামরিক যুদ্ধ। [ঢ. বো. ১৪; রা. বো. ১৫; য. বো. ১৪, ০৬]

Cartoon- ব্যঙ্গচিত্র। [ঢ. বো. '২২; রা. বো. '১৫; য. বো. ১৭; কু. বো. ১৪; চ. বো. ১৩, ১১]

Cabinet – মন্ত্রিপরিষদ। [রা. বো. ১৬, '১৪; সি. বো. ০৮]

Campus – অঙ্গন। [রা. বো. '১৪; দি. বো. ১৭]

Circle – বৃত্ত, (এলাকা অর্থে) মণ্ডল [চ. বো. '১৭]

Catalogue- তালিকা। [য. বো. '১৫, '০৮; কু. বো. '১৭; চ. বো. '১৯; সি. বো. '১৯, '১৬]

Capital- পুঁজি, মূলধন।

Capitalist- পুঁজিপতি, ধনিক। [ব. বো. ১১]

Ceiling- মেঘের তল। [ব. বো. ১১]

Care-taker- তত্ত্঵াবধায়ক।

College- মহাবিদ্যালয়।

Current account - চলিত হিসাব [চ. বো. ১৪]

Custom – শুল্ক। [ঢ. বো. ১৯]

Current – চলতি।

Calendar – দিনপঞ্জিকা।

Crown – মুরুট।

Client – মক্কেল। [ব. বো. '১৩]

Cold war – স্নায়ুযুদ্ধ [সকল বোর্ড ২০১৮]

Comet – ধূমকেতু [দি. বো. '১৯]

Concession – রেয়াত, ছাড় [কু. বো. ১৭]

Corruption- দুর্বীতি। [য. বো. '১৪, '১২]

Chancellor – আচার্য। [চ. বো. '০৬]

Correspondent – অনুরূপ। [রা. বো. '১৯, '০৮; কু. বো. ১৯]

Chief – প্রধান [সি. বো. '০৮]

Chief-whip- মুখ্য সচেতক। [চ. বো. ১৬, '১১]

Cheque- ব্যাংকের চেক। [সি. বো. '০৮]

Cold-storage- হিমাগার।

Copy – প্রতিলিপি। [ঢা. বো. ১২; রাব. বো. ১০]

Copyright- লেখকস্বত্ত্ব। [রাব. বো. '১৬; য. বো. '১৬, ১৫, '১৩, '১১; কু. বো. ১২, '০৬; চ. বো. '১৫, '১২; ব. বো. '১৭, '১৬]

Cargo – জাহাজি মাল। [ঢা. বো. ১৬]

Census- আদমশুমারি। [ঢা. বো. '১৬, '১৫; য. বো. '১৩; কু. বো. '১৩, '১২; সি. বো. ১৫; ব. বো. ১৪; দি. বো. ১৪, ১১]

Co-ordinator- সমন্বয়কারী।

Conduct – পরিবহন করা। [ব. বো. ১৬]

Council – পরিষদ। [কু. বো. ০৮]

Conference- সম্মেলন।

Constitution- সংবিধান। [কু. বো. ১২, ০৮]

Cordon - বেষ্টনী।

Cess- উপকর।

Code – সংকেত, সংহিতা। [চ. বো. '১৯]

Crown- রাজমুকুট। [দি. বো. ১৩]

Cable- তার/বৈদ্যুতিক তার বিশেষ।

Caption- পরিচয় নাম। [ব. বো. ১৯]

Credit – জমা, আকলন। [ব. বো. ১৫]

Deed - দলিল। [ঢা. বো. '২২; য. বো. '০৮; ব. বো. ১৬; দি. বো. ১৭, '১৪]

Deputy Secretary- উপসচিব।

Dividend- লভ্যাংশ।

Deputy- উপ। [য. বো. '০৬]

Diplomacy- কূটনীতি। [কু. বো. '১৯; সকল বোর্ড ২০১৮]

Dipomat- কূটনীতিক। [য. বো. ১১]

Democracy- গণতন্ত্র।

Documentary – প্রামাণ্য। [য. বো. ১২]

Duel – দ্঵ন্দ্বযুদ্ধ। [ঢা. বো. ১১; রাব. বো. ১৭; সি. বো. '১৯; ব. বো. '১৪]

Debit – খরচ। [ঢা. বো. ১৩]

Dead lock – অচলাবস্থা। [য. বো. ১৪]

Debate – বিতর্ক [চ. বো. '১৭]

Democracy – গণতন্ত্র, গণতান্ত্রিক দেশ [য. বো. ১২]

Design – নকশা। [ব. বো. ১৫]

Defence – প্রতিরক্ষা

Demonstrator – প্রদর্শক।

Data – উপাত্ত। [য. বো. ১৬; ব. বো. '১৯]

Dialect – উপভাষা। [ঢ. বো. ১৯; রা. বো. ১৭, '১৬, '১৫; য. বো. '১৭; কু. বো. ১৪, '১১; চ. বো. '১৩; সি. বো. '১৭, '০৬; দি. বো. ২২, ১৯, '১৩]

Deposit – গাছিত, আমানত। [ব. বো. '১৩, '০৮]

Diagnosis – নিদান।

Deed of gift – সম্পদের দলিল। [চ. বো. '০৮; কু. বো. '১৬]

Deputation – প্রতিনিধিত্ব, প্রেষণ। [ঢ. বো. '১৪, '০৮; রা. বো. '০৮; কু. বো. ১৭; চ. বো. ১৬; সি. বো. ১২]

Donation – চাঁদা হিসেবে দেয় অর্থ বা আসবাবপত্র। [ঢ. বো. '০৬; য. বো. '১৬; দি. বো. '১২]

Donor – দাতা।

Dowry – বরপণ/যৌতুক। [কু. বো. ১৩]

Dynamic – বেগবান, গতিশীল। [ঢ. বো. ১১; রা. বো. '১৯; য. বো. '১৫; কু. বো. ১৩, '০৮; সি. বো. '১৬; দি. বো. ১৬]

Death Penalty – মৃত্যুদণ্ড [ব. বো. ১১]

Death Certificate – মৃত্যুসনদ। [চ. বো. ১৪]

Enquiry – পর্যবেক্ষণ।

Edition – সংস্করণ। [কু. বো. ১৭; চ. বো. ১৪]

Editor – সম্পাদক। [ঢ. বো. '০৬; রা. বো. '০৮, '০৬; য. বো. '১৭; চ. বো. '১৩; সি. বো. ১১; ব. বো. '০৬; দি. বো. ১৫, '১২]

Editorial – সম্পাদকীয়।

Equality – সমতা। [ব. বো. '১২]

Exchange – বিনিময়। [ঢ. বো. '১৬]

Endorsement – পৃষ্ঠাকল, সত্যায়ন [কু. বো. '১৯]

Epitaph — সমাধিলিপি [ঢা. বো. '১৭; সি. বো. ১৯]

Evaluation — মূল্যায়ন [দি. বো. '১৯]

Excuse – অজুহাত। [ঢা. বো. '১৫]

Executive – পরিচালক, নির্বাহী, নির্বাহিক। [কু. বো. '১৬]

External – বহিঃস্থ। [সি. বো. ১৬]

Eyewash – ঘোঁকা। [রা. বো. '১৯; য. বো. ১৬; চ. বো. '১৭; সি. বো. ১৭]

Expert – বিশেষজ্ঞ। [ঢা. বো. '০৬; চ. বো. ১২; দি. বো. ১২]

Equation – সমীকরণ। [য. বো. '১৫]

Embargo- অবরোধ। [সকল বোর্ড ২০১৮; ঢা. বো. ১৪, '১১; রা. বো. '১৭, '১৫, ১৪, ১২, য. বো. ১৬, '১১; কু. বো. '১৩, '০৬; চ. বো. ১৬, '১১; দি.. বো. ১৭]

Encyclopedia – বিশ্বকোষ। [ঢা. বো. '১২, '১০, '০৮; চ. বো. '০৮; সি. বো. ১৬]

Eye-witness – প্রত্যক্ষদর্শী। [ঢা. বো. '১৯; ব. বো. '১৩]

Ethics – নীতিবিদ্যা। [রা. বো. '১৯; কু. বো. '১৬; ব. বো. '১৯]

Exit – প্রস্থান। [ব. বো. '১৫]

Feudal – সামন্ত [কু. বো. '১৯; সি. বো. ১৫; দি. বো.. '১১]

Forecast – পূর্বাভাস, পূর্বানুমান। [ঢা. বো. '১৭, '১৬, য. বো. ১৩]

File —নথি [ঢা. বো. ১৩; রা. বো. ১৫, '১২; য. বো. '১৬; কু. বো. '১৪, '১১, '০৮; চ. বো. '১৯; সি. বো. '১২]

Fire-brigade – দমকল বাহিনী [ব. বো. ১২; দি. বো. ১২]

Fine Arts – ললিতকলা, চারুকলা [য. বো. '১৪; কু. বো. '১৭; সি. বো. '১৯; ব. বো. ১৯]

Fiction – রূপকথা, কল্পকাহিনী। [ঢা. বো, '১৯; রা. বো. ১৩,'০৮; য. বো. '১৭, '০৬; কু. বো. ১৫, '১১, '০৮; দি. বো. ১৪; সি. বো. ১৭]

Free market – খোলাবাজার, মুক্তবাজার।

Fundamental – মৌলিক।

Fact – ঘটনা, তথ্য। [য. বো. ১৬]

Face value – অভিহিত মূল্য [সকল বোর্ড ২০১৮]

Faculty — অনুষদ [রা. বো. '১২; কু. বো. ১২]

Farce — প্রহসন [দি. বো. '১৯]

Famine — দুর্ভিক্ষ [ব. বো. ১৩]

Follow-up — অনুসরণ করা।

Flat rate — সাধারণ মূল্য, একদর। [ব. বো. ১১]

Graph — লেখচিত্র।

Geology — ভূ-তত্ত্ব।

Gist — সারমর্ম, সারকথা। [সি. বো. ১৬]

Gratuity — পরিতোষিক ভাতা। [সকল বোর্ড ২০১৮; ঢা. বো. ১১; ব. বো. ১৪]

Green-room — সাজঘর। [য. বো. '১৭, '০৮; চ. বো. '১৭, '০৫; সি. বো. '১৭, '১৮]

Green house — সবুজ বলয়। [চ. '০৫]

Goodwill — সুনাম। [ব. বো. '১৭]

Goods — মালামাল, পণ্য। [ম. বো. '২২; সি. বো. ১৩]

Grant — অনুদান। [রা. বো. '১৯, '১৩; ব. বো. '১২]

Gazette — অনুদান।

Gazetted — প্রচারপত্র।

Geography — ভূগোলবিদ্যা [রা. বো. '০৮]

Get up — অঙ্গসজ্জা [ব. বো. '১৭]

Go down — গুদাম।

Gunny — চট। [রা. বো. '০৬]

Galaxy — ছায়াপথ/মহাবিশ্ব। [রা. বো. '১৪; চ. বো. ১৯. সি. বো. ১৫, '১১; দি. বো. '১৭]

Global — পৃথিবীব্যাপী। [ঢা. বো. '১৭, '১২; রা. বো. '১৫, '১১, '০৮; য. বো. '১৫, '০৮; চ. বো. ১৩; সি. বো. ১৩; দি. বো. '১৯, '১৫, ১৩]

Grade — পর্যায়, মাত্রা। [সি. বো. '১৬]

Governing body — পরিচালনা পর্ষদ। [ঢা. বো. '০৮; য. বো. ১১]

Guard — রক্ষী [চ. বো. ১৪]

Heroin — মাদকদ্রব্য।

Honorarium — সম্মানী, পারিতোষিক, দক্ষিণা [সি. বো. ১৭]

Horticultural — উদ্যানবিদ্যা [কু. বো. '১৯]

Handbill – প্রচারপত্র। [খ. বো. '০৮; চ. বো. ১১]

Headline – শিরোনাম।

Highway – মহাপথ, মহাসড়ক। [ঢ. বো. ১৩; চ. বো. ১৪]

Hygiene – স্বাস্থ্যবিদ্যা। [সকল বোর্ড ২০১৮; রাব. বো. '১৭; চ. বো. ১৫; দি. বো. ১১]

Hypocrisy – কপটতা।

Hood – বোরকা। [ঢ. বো. '২২; রাব. বো. '১১]

Honorary – অবৃত্তিক, অবৈতনিক। [ব. বো. '১৩]

Hostage – শরীরবন্ধক। [ঢ. বো. '১৫, '১৪; রাব. বো. '১৯, '১৬; ঘ. বো. '১৬, '১৩; চ. বো. '১৬; দি. বো. '১৯]

Hostile – বৈরী [দি. বো. ১৬]

Home Ministry – স্বরাষ্ট্রমন্ত্রণালয়। [চ. বো. '১৯, '০৮; দি. বো. '১৭]

Humanity – মানবতা। [ঢ. বো. ১৬; রাব. বো. ১১]

Idiom – বাগধারা। [চ. বো. '১৭; ব. বো. ১৯]

Interview – সাক্ষাত্কার। [রাব. বো. ১১; সি. বো. ১১]

Idealism – ভাববাদ, আদর্শবাদ [কু. বো, '১৯]

Immigrant – অভিবাসী। [ঢ. বো. '১৬; দি. বো. ১৯]

Impeachment – অভিশংসন। [রাব. বো. '১৭; কু. বো, '১৫]

Increment – বৃদ্ধি।

Index – নির্দিষ্ট। [ঢ. বো. '১৫, '১২; ঘ. বো. '১৭; কু. বো. ১৩; সি. বো. '১২; দি. বো. '১৪]

Investigation – অনুসন্ধান। [ঘ. বো. ১১]

Initial – প্রারম্ভিক। [সকল বোর্ড ২০১৮; চ. বো. ১৫; সি. বো. ১১; ব. বো. '১৮]

Invoice – চালান।

Irrigation – সেচ। [ঢ. বো. ১২, '০৬; সি. বো. ১৬; দি. বো. ১২]

Interim – মধ্যকালীন, অন্তর্বর্তী। [ঢ. বো. '১৪; কু. বো. ১৬; চ. বো. ১৩; সি. বো. ১৯]

Interpreter – দোভাষী। [ঢ. বো. '১৯]

Invitation card – আমন্ত্রণপত্র [সি. বো. '১৭; ব. বো. ১৭]

Judge – বিচারক।

Justice – বিচারপতি, ন্যায়বিচার। [সকল বোর্ড ২০১৮; ব. বো. ১৫; কু. বো. '১৬]

Key word – মূলশব্দ। [সি. বো. '০৬; ব. বো. ১৭]

Kindergarten — শিশুশালা [ব. বো. '১৯]

Lien — পূর্বস্থত্ত্ব, ক্রেক। [ঢা. বো. ১৫; রা. বো. ১৬, ১৩, ১২, কু. বো. '১৬; চ. বো. '১৬, ১৩, ব. বো. ১৭; দি. বো. ১২]

Legal — বৈধ, বিধিসম্মত।

Lender — মহাজন। [রা. বো. '০৮]

Limited — সীমিত।

Lease — ইজারা। [ঢা. বো. ১৭; চ. বো. '১১; সি. '১৫; সি. বো. ১৭; ব. বো. '১৭, '১৮; দি. বো. ১১]

Leapyear — অধিবর্ষ। [ঢা. বো. '১৯, '০৬; রা. বো. '১৬; য. বো. '১৩; চ. বো. ১৪; সি. বো. ১২; দি. বো. ১৪]

Literal — আক্ষরিক। [ব. বো. ১২]

Literature — সাহিত্য।

Landscape — ভূ-দৃশ্য [কু.বো. '১৯]

Latitude — অক্ষাংশ [রা. বো. '১৯]

Light year — আলোকবর্ষ [ঢা. বো. '২২; কু. বো. '০৮]

Legend — পৌরাণিক কাহিনী [ঢা. বো. ১৬, '১৫, '১১, রা. বো. '১৭, '১৫, '১৩; য. বো. '০৮; সি. '১৫; ব. বো. ১৬; দি. বো. ২২, ১৯, ১৭, ১১]

Light year — আলোকবর্ষ।

Manuscript — পাণ্ডুলিপি [য. বো. '১৭, '৯৪; কু. বো. ১১; চ. বো. ১৫, '০৮; সি. বো. ১৯, '১৭, '১৩; ব. বো. ১৬; দি. বো. ১৩]

Manifesto — লিখিত ঘোষণা। [ম. বো. '২২; ঢা. বো. ১১, '০৮; য. বো. '০৮, কু. বো. ১৪; চ. বো. ১৯, '১৭; সি. '১৫; দি. বো. ১৯, '১১]

Mayor — নগরপাল। [সি. বো. '০৬]

Marketing — বিপণন। [ঢা. বো. '১৭; ব. বো. '০৮]

Mass education — গণশিক্ষা। [কু. বো. ১৩]

Medical — চিকিৎসা, চিকিৎসা বিষয়ক।

Method — পদ্ধতি।

Memorandum – স্মারকপত্র। [কু. বো. '১৯; চ. বো. '১৬; দি. বো. '১৭]

Mercury – পারদ, বৃঢ়গ্রহ।

Migration – অভিবাসন। [কু. বো. ১৬, '১৫]

Mineral – খনিজ, খনিজদ্রব্য। [রা. বো. ১১; দি. বো. ১৬; ব. বো. '১৪]

Millennium – সহস্রাব্দ। [দি বো. ১৬]

Masure - কুঁড়েঘর [চ. বো. '১৭]

Museum – প্রদর্শনশালা, জাদুঘর। [ঢা. বো. ১৬; রা. বো. ১৭]

Myth – পুরাণকাহিনী। [সকল বোর্ড ২০১৮; . বো. '১৭; ব. বো. '১৫]

Nebula – নীহারিকা [ব. বো, '১৯]

Neutral – নিরপেক্ষ [ব. বো. '১৭]

Non-aligned – জোটনিরপেক্ষ [কু. বো. ১৯]

Note – মন্তব্য, সংক্ষিপ্ত বিবরণ, টোকা [ম. বো. '২২; য. বো. '০৬; চ. বো. ১৯; দি. বো. ১৬]

Nationality – জাতীয়তা।

Nationalisaton – জাতীয়করণ।

National – জাতীয়।

Notice – বিজ্ঞপ্তি।

Notice board – বিজ্ঞপ্তি ফলক। [চ. বো. ১১]

Notification – প্রজ্ঞাপন। [কু. বো. '১৬]

Nursery – শিশুশালা, তরুশালা [ঢা. বো, '১৯, '১৬; য. বো. ১৭; চ. বো. '১৭; সি. বো. ১৩]

Nutrition – পুষ্টি। [রা. বো. '১৭; চ. বো. ১৫; দি. বো. ১৯]

Office-bearer – দণ্ডরি।

Oath – শপথ। [ঢা. বো. ১৭; রা. বো. ১৭; য. বো. '১৭; কু. বো. '১২; চ. বো. '১৯, '১৬; দি. বো. ১৬, '১৪]

Ocean-current – সমুদ্রস্রোত।

Octave – অষ্টক। [রা. বো. '১৩; য. বো. ১২; সি. বো. ১৯; দি. বো. ১৬]

Option – মনোনয়ন, ইচ্ছা। [কু. বো. ১৬; সি. বো. ১৪]

Optional – ঐচ্ছিক। [দি, বো, '১৩]

Ordinance – অধ্যাদেশ [কু. বো. '১৯; ব. বো. ১৯]

Obligatory – বাধ্যতামূলক। [ব. বো. ১১]

Occupation – বৃত্তি, পেশা, দখল।

Organ – যন্ত্র, ইণ্ডিয়।

Penal Code – শাস্তিদানের বিধি [ঢা. বো. ১৩]

Pisiculture – মৎস্যপালন বিদ্যা।

Para- অনুচ্ছেদ।

Paradox – কৃটভাস।

Parliament – সংসদ।

Phonetics – ধ্বনিবিদ্যা। [ঢা. বো. ১৬, ১১, '০৮; রা. বো. ১৪]

Public Relation- জনসংযোগ।

Public Opinion – জনমত। [ব. বো. ০৮]

Pollution – দূষণ। [কু. বো. ১১; সি. বো. ১২, '০৬]

Prepaid – আগাম প্রদত্ত।

Pen-friend —পত্র-মিতা [ঢা. বো. '১৭]

Pioneer— পথিকৃৎ [কু. বো. ১৯]

Plosive — স্পষ্ট ধ্বনি[রা. বো. ১৯]

Power house – বিদ্যুৎকেন্দ্র [সকল বোর্ড ২০১৮]

Prefix — উপসর্গ [দি. বো. '১৯]

Prepaid —আগাম প্রদত্ত [রা. বো. '১৭; ষ. বো. ১১; চ. বো. ১৫]

Prime – মৌলিক, মুখ্য, প্রধান [চ. বো. '১৭]

Principle – তত্ত্ব, নীতি, মূলসূত্র [ঢা. '১৯, '১৪; রা. বো. '১৭, ১১; য. বো. '০৬; ব. বো. '১৭; দি. বো. ১৫]

Public service – জনসেবা [সি. বো. ১৭]

Publicity - প্রচার [কু. বো. ১৭]

President – রাষ্ট্রপতি/সভাপতি। [সি. বো. ০৮]

Pay bill – বেতন। [য. বো. ১৫; দি. বো. '১৭]

Payee – পাওনাদার। [ব. বো. '১৭]

Prescription – ব্যবস্থাপত্র। [রা. বো. '১৯; চ. বো. '১৪]

Postmark – ডাকঘরের ছাপ। [ব. বো. ১২]

Parole – বচন, না পালানোর শর্তে বন্দিমুক্তি।

Pass-word – সংকেত, গুপ্ত শব্দ। [ঢ. বো. ১৬; কু. বো. '১৭]

Pay – পরিশোধ করা।

Public – জনসাধারণ।

Public Fund – সরকারি তহবিল। [য. বো. ১৪]

Public works – গণপূর্তি। [ঢ. বো. '২২; চ. বো. '১৭; ব. বো. ০৬]

Publication – প্রকাশ, প্রকাশন, প্রচার। [চ. বো. ০৮]

Pay-order – পাওনা দেওয়ার নির্দর্শন। [চ. '১১; ব. '১৪]

Quality – গুণ [চ. বো. ১৯]

Quarter - এক-চতুর্থাংশ, পাদ [ব. বো. '১৯]

Quarterly— ত্রৈমাসিক [সি. বো. '১৯, '১৭]

Quack – হাতুড়ে ডাক্তার। [য. বো. ১৭, ১৬; কু. বো. ১২; দি. বো. '২২, '১৭]

Quarantine – রোগ সংক্রমণ প্রতিরোধ।

Quota – যথাংশ/বরাদ্দ।

Queue – সারি। [সকল বোর্ড ২০১৮]

Query – জিজ্ঞাসা। [ব. বো. ১১]

Rank – পদমর্যাদা। [ঢ. বো. '০৮; কু. বো. ১৩; সি. বো. ১৩; চ. বো. '১৯, ব. বো. '০৬; দি. বো. '১৭, '১৫, '১৩]

Ratio – অনুপাত। [ঢ. বো. '১৬]

Regiment – সৈন্যদল। [রা. বো. '০৬]

Registration – নিবন্ধন। [চ. বো. '১৩; ব. বো. '০৮; দি. বো. ১৬]

Reform – সংস্কার। [সি. বো. ১৩; ব. বো. '০৮]

Recommend – সুপারিশ। [ব. বো. '০৮]

Republic – প্রজাতন্ত্র। [ঢ. বো. '১৯; চ. বো. ১২]

Recordroom – মহাফেজখানা। [য. বো. ১১]

Revenue – রাজস্ব। [চ. বো. '১৬]

Routine – সময়সূচি।

Racism – বর্ণবাদ [রা. বো. '১৯; সি. বো. '১৭]

Rational – যৌক্তিক, বিচারক্ষম [ব. বো. '১৯]

Reality – বাস্তব, বাস্তবতা [ব. বো. ১৭]

Referendum – জনমত গ্রহণ, প্রত্যক্ষ ভোটে স্থাপন [দি. বো. '২২; চ. বো. '১৭]

Refugee – উদ্বাস্তু, বাস্তবহারা [সি. বো. '১৯]

Remark – মন্তব্য [কু. বো. ১৯]

Retirement – অবসর [ঢা বো. ১৭]

Rotation – আবর্তন [দি. বো. ১৯]

Sabotage – অন্তর্ঘাত [সকল বোর্ড ২০১৮; ঢা. বো. '১৭, '১৫, '১২; রা. বো. ১৬; কু. বো. '১২, '১০; য. বো. '০৬; চ. বো. ১৯, '১৬, '১৩; সি. বো. '০৬; দি. বো. ১৪, '১১]

Specialist – বিশেষজ্ঞ।

Salary – বেতন। [রা. বো. ১২; চ. বো. '০৮; সি. বো. ১৪]

Secondary – মাধ্যমিক। [রা. বো. '০৮; ব. বো. '০৬]

Settlement – নিঃস্পত্তি। [ব. বো. '১১]

Spokeman – মুখ্যপাত্র। [কু. বো. ১৫]

Sestet- ষটক। [য. বো. '১২]

Saving certificate – সঞ্চয়পত্র। [ব. বো. '০৮]

Sanction – মঙ্গুরি। [রা. বো. '১৩; য. বো. ১১; কু. বো. ০৬; দি. বো. '১৭]

Subsidy – ভর্তুকি। [দি. বো. '২২; ঢা. বো. ১৫, '১২; রা. বো. '১৬; য. বো. '১৩; কু. বো. ১৭, '১২; চ. বো. ১৭; ব. বো. '১৬]

Scale – ক্রমহার। [কু. বো. '০৬]

Signal – সংকেত। [য. বো. '১৬]

Sponsor- পোষক, প্রতিপালক। [সি. বো. '১৯, '১৬]

Stock market – শেয়ার বাজার। [ঢা বো. ১৬]

Surplus – আধিক্য, উদ্বৃত্ত। [য. বো. '১৩; সি. বো. ১৬, '১৫, ব. বো. ১৪; দি. বো. '১৬, '১৩, '১১]

Secular – ধর্মনিরপেক্ষ [চ. বো. '১৯]

Skull — করোটি [ঢা. বো. '১৯; রা. বো. ১৪]

Study —শিক্ষা, অধ্যয়ন [কু. বো. ১৫]

Surety — জামানত [কু. বো. '১৭]
Symbol — সংকেত, চিহ্ন, প্রতীক [দি. বো. '১৯]
Tradition — ঐতিহ্য। [ঢা. বো. '১৬]
Token — প্রতীক। [ঢা. বো. '১৭, '০৮]
Telecommunication — টেলিযোগাযোগ
Tax — কর। [সি. বো. ১৪]
Theory — তত্ত্ব। [চ. বো. '১৯, ০৬]
Thesis — অভিসন্দর্ভ। [কু. বো. ১৫]
Transparency — স্বচ্ছতা। [য. বো. '১২]
Termination — অবসান। [চ. বো. '০৮, '০৬]
Union- সংঘ। [য. বো. '০৬]
Up-to-date — হালনাগাদ। [রা. বো. ১৭]
Urban — পৌর। [ঢা. বো. ১৯, '১৩; কু. বো. ১১; সি. বো. ১৪]
Urbanisation — নগরায়ণ। [সি. বো. ১৪, '০৬]
Uniform- পোশাক। [ঢা. বো. '১৭]
Undertaking — অঙ্গীকার, প্রতিশ্রুতি [রা. বো. '১৯; দি. বো. '১৬]
Unskilled — অদক্ষ [ব. বো. '১৭]
Validity — বৈধতা। [রা. বো. ১৭; য. বো. ১২; সি. বো. ১৪]
Valid — বৈধ। [ঢা. বো. '০৬; চ. বো. '০৬; দি. বো. '১২]
Vacation — অবকাশ। [রা. বো. ১৩; সি. বো. ১২]
Viva-voce — মৌখিক পরীক্ষা।
Visitor — সাক্ষাৎপ্রার্থী।
Virus — ভাইরাস। [য. বো. ১২; সি. বো. ১৪]
Vocabulary — শব্দসংখ্যা, শব্দভান্ডার [ঢা. বো. '০৮; কু. বো. '১৩]
Valuation — মূল্যায়ন।
Violation — লজ্জন। [সকল বোর্ড ২০১৮; চ. বো. ১২; সি. বো. '১৯]
Vehicle — যান, যানবাহন [দি. বো. '১৭]